Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 240
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,29 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

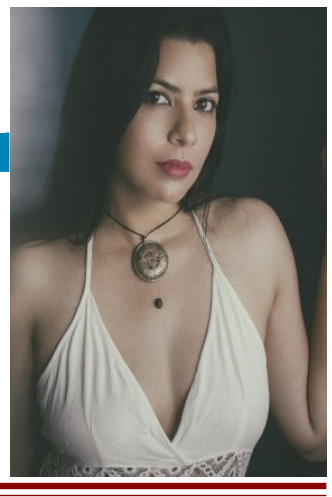

2 न्यायालय से भागे दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस

4 फैटी लिवर के शिकार लोगों के लिए अच्छी खबर

7 ब्रेस्ट कैंसर का पता चलते ही फूट-फूटकर

जेवर बनेगा विकास का नया रनवे

यूपी अब देश का सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य:पीएम

नोएडा (एजेंसी): उत्तर प्रदेश को नई उड़ान देने वाला नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) आज औपचारिक रूप से शुरू होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को इसके पहले चरण का भव्य उद्घाटन करेंगे। स्विस कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी द्वारा संचालित यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर और पूरे उत्तर भारत के बढ़ते हवाई यातायात का दबाव कम करने में अहम भूमिका निभाएगा। मोदी - यूपी अब देश का सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के उद्घाटन के दौरान कहा कि यह परियोजना युवाओं के भविष्य को नई उड़ान देने वाली है। पीएम मोदी ने संबोधन में कहा, आज हम विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के अभियान का एक नया अध्याय लिख रहे हैं। देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश अब देश के सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाले राज्यों में शामिल हो गया है। जनता को एयरपोर्ट का उद्घाटन सौंपा उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक अनोखे अंदाज में जनता को शामिल किया। उन्होंने कहा, अभी तो आधा काम ही हुआ है। मैंने सिर्फ पर्दा हटाया है। बाकी उद्घाटन आप सबको करना है। इसके बाद पीएम मोदी ने मौजूद लोगों से अपील की कि वे अपने मोबाइल फोन निकालें और फ्लैश लाइट जला दें। जनता ने तुरंत फ्लैश लाइट ऑन कर दी। पीएम मोदी ने तब कहा, अब यहां मौजूद हर व्यक्ति इस एयरपोर्ट का उद्घाटन कर रहा है। यह एयरपोर्ट आपकी अमानत है, आपका पुरुषार्थ है। इसलिए इसका उद्घाटन आपके हाथों से हो रहा है। जेवर एयरपोर्ट यूपी के विकास का प्रतीकः सीएम योगी आदित्यनाथ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट प्रदेश के तेज विकास का जीवंत उदाहरण है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, हम आज नए भारत का साक्षात्कार कर रहे हैं। जेवर एयरपोर्ट के माध्यम से उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों की उड़ान मिलने जा रही है। यह एयरपोर्ट विकास का बेहतरीन मॉडल साबित होगा। पिछले 11-12 वर्षों की कार्ययोजना का प्रभाव मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जो दूरदर्शी कार्ययोजना तैयार की गई, उसके सकारात्मक परिणाम आज पूरे देश को दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता और मूल्य नियंत्रण का जिक्र करते हुए कहा, भारत में पेट्रोल-डीजल समेत अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी हुई है और उनके दाम भी नियंत्रण में हैं। वहीं विकसित देशों जैसे अमेरिका में इनके दाम आसमान छू रहे हैं। हमारे पड़ोसी देशों में भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं, जिसके कारण वहां अव्यवस्था फैल गई है। कई जगहों पर कामकाजी घंटे कम करने, उत्पादन रोकने और जनता के लिए कोटा व्यवस्था लागू करने जैसी मजबूरियां पैदा हो गई हैं। एक्साइज ड्यूटी कम करने के फैसले पर कृतज्ञता सीएम योगी ने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड दौरा होगा खास, करेंगे कई योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

देहरादून (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड के प्रस्तावित दौरे पर कई योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसमें दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तराखंड आगमन का निमंत्रण देते हुए विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास का प्रस्ताव भी रखा। प्रस्तावित लोकार्पण में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट शामिल हैं। इसके अलावा पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण योजना, बनबसा लैंड पोर्ट परियोजना का शिलान्यास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि चंपावत के बनबसा क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर विकसित हो रहा लैंड पोर्ट व्यापार, आवागमन व क्षेत्रीय सहयोग को नई गति देगा। इसके साथ ही एशियन हाईवे से जुड़कर अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को सरकार के चार साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर बताते हुए कहा कि इस योजना के तहत सौर ऊर्जा आधारित परियोजनाओं के माध्यम से हजारों परिवारों को स्वरोजगार मिला है। ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तहत हजारों उद्यमियों को इनक्यूबेशन सहायता प्रदान की गई है। वहीं देवभूमि परिवार योजना के माध्यम से राज्य के परिवारों का एकीकृत डिजिटल डाटाबेस तैयार कर योजनाओं की पारदर्शी डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है।

दिल्ली पुलिस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी, हिमांशु भाऊ गिरोह के दो शूटर महाराष्ट्र से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने कुख्यात हिमांशु भाऊ गिरोह के दो कथित शूटरों को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लक्ष्य और नीरज के रूप में हुई है, जो कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। इन मामलों में पुलिस के अनुसार, इन मामलों में गिरोह के सरगना हिमांशु भाऊ के कहने पर दिल्ली में की गई गोलीबारी की घटना भी शामिल है। हिमांशु भाऊ फिलहाल अमेरिका में रह रहा है और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को इसकी तलाश है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपी गिरोह के सक्रिय सदस्य थे और राष्ट्रीय राजधानी में कई जघन्य अपराधों में शामिल रहे हैं। विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर विशेष प्रकोष्ठ की टीम ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखी और एक अभियान चलाकर महाराष्ट्र से उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था, जो उन मामलों की गंभीरता को दशार्ता है जिनमें वे वांछित थे। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी हरियाणा में दर्ज एक बड़े हत्याकांड में भी कथित तौर पर शामिल रहे हैं।

विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत, प्रधानमंत्री जी की कार्य योजना का हिस्सा: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत प्रधानमंत्री जी की कार्य योजना का हिस्सा है। योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में अपने संबोधन में कहा, विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत प्रधानमंत्री जी की कार्य योजना का हिस्सा है। यह आज हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है और नोएडा हवाई अड्डा इसी श्रृंखला का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा, सबसे पहले मोदी जी का इस भव्य और गरिमामय समारोह में प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से नोएडा

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से उड़ान योजना के तहत राज्य को एक नई ऊंचाई प्रदान करने के लिए अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा, यह कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। कल (शुक्रवार को) ही रामनवमी के पावन अवसर पर पूरे देश के अंदर उत्साह का माहौल था। योगी ने कहा, पूरी दुनिया में अव्यवस्था, अराजकता का माहौल, संशय की स्थिति है और पूरी दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों के दाम आसमान छू रहे हैं। लेकिन अपनी दूरदर्शी सोच, देश प्रथम के भाव से 11 वर्षों से जो कार्य योजना मोदी जी के नेतृत्व में भारत के लिए बनी है, वह अब देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा, अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी उत्पादों के दाम आसमान छू रहे हैं। पड़ोसी देशों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छू रहे, अव्यवस्था फैल रही है और लोगों में कोटा सिस्टम लागू करना पड़ा लेकिन भारत में पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क कम करने का आपने (मोदी) जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है, उसके लिए आभार और कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

ममता सरकार के खिलाफ भाजपा की चार्जशीट

ये भय से मुक्ति का चुनाव:शाह

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में ममता बनर्जी सरकार के 15 साल के शासन के खिलाफ एक 'चार्जशीट' जारी की है। उन्होंने घुसपैठ, महिला सुरक्षा और भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाते हुए कहा कि बंगाल का आगामी चुनाव राज्य के साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी निर्णायक है। शाह ने जनता से अपील की कि वे तुष्टीकरण की राजनीति को छोड़कर विकास के रास्ते को चुनें। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। भाजपा ने ममता सरकार के खिलाफ विधानसभा चुनाव से पहले मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज एक आरोप पत्र 'चार्जशीट' जारी की है। इस आरोप पत्र के जरिए शाह ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 15 साल के शासन को 'अराजकता और भ्रष्टाचार का युग' बताया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा को बचाने और इसे भयमुक्त बनाने का चुनाव है। अमित शाह ने क्या-क्या कहा? अमित शाह ने बंगाल में घुसपैठ के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की सुरक्षा बंगाल के चुनावी नतीजों से अटूट रूप से जुड़ी हुई है। आज देश में घुसपैठियों के प्रवेश का केवल एक ही मुख्य रास्ता बचा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता हो रहा है। अगर बंगाल को घुसपैठ से मुक्त करना है, तो यहां सत्ता परिवर्तन अनिवार्य है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि ममता सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए सीमावर्ती इलाकों में डेमोग्राफी के साथ खिलवाड़ होने दिया। 'विक्टिम कार्ड' की पॉलिटिक्स खेलती हैं ममता- शाह तंज कसते हुए गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी ने हमेशा विक्टिम कार्ड की पॉलिटिक्स खेली हैं। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं। चुनाव आयोग को गालियां देती हैं। लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल के लोग अब विक्टिम कार्ड की इस पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ चुके हैं। 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है चार्जशीट- शाह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह चार्जशीट, टीएमसी सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सिंडिकेट राज स्थापित कर बंगाल की जनता का शोषण करने वाले शासन की कहानी है। टीएमसी के कुशासन में बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है। ऊपर से नीचे तक आपराधिक सिंडिकेट जनता को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास के अभाव में बंगाल उद्योग के लिए एक प्रकार से कब्रिस्तान बन चुका है। अमित शाह ने कहा कि यह चार्जशीट केवल भाजपा की नहीं, बल्कि बंगाल की पीड़ित जनता की आवाज है।

अयोध्या के राजघाट में हो रहे महायज्ञ में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राजघाट में हो रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, स्वामी जी महाराज के द्वारा कराया जा रहा है। महायज्ञ परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में कराया जा रहा है। फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू में जुटी हैं। मौके पर दमकल की चार गाड़ियां आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं। लक्ष्मी नारायण महायज्ञ राजघाट बाटी वाले बाबा घाट के निकट चल रहा था तभी आग लग गई। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह भी मौजूद हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है।

मंत्रियों के अनौपचारिक समूह के साथ रक्षा मंत्री की बैठक

पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया के हालात और उसके भारत पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मंत्रियों के अनौपचारिक समूह के साथ बैठक जारी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को पश्चिम एशिया संकट पर मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब केंद्र सरकार इस संघर्ष को लेकर कई बैठकें कर चुकी है और लोगों को यह भरोसा दिला रही है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। विदेश

मंत्रालय हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए है और पश्चिम एशिया में मौजूद भारतीय नागरिकों को हरसंभव मदद देने की कोशिश कर रहा है। पीएम मोदी ने भी की उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक इससे पहले, शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों के साथ डिजिटल माध्यम से बैठक की थी। इस बैठक में पश्चिम एशिया की हालिया स्थिति और उसके देश पर संभावित प्रभाव को देखते हुए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने सभी मुख्यमंत्रियों की ओर से दिए गए सुझावों की सराहना की और कहा कि ये सुझाव बदलते हालात से प्रभावी तरीके से निपटने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्कता, तैयारी और मिलकर कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया। पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को ऐसे वैश्विक संकटों से निपटने का पहले से अनुभव है।

कांग्रेस ने साधा पीएम मोदी पर निशाना, कहा- वेस्ट बैंक में इजराइली कार्रवाई का विरोध करने की प्रधानमंत्री में हिम्मत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में हिम्मत नहीं है कि वह वेस्ट बैंक में इजराइली की ओर से किजा रही कब्जे की कार्रवाई का विरोध करें और अपने मित्र बेंजामिन नेतन्याहू के सामने सच बोल सकें। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इजराइल पश्चिम एशिया में युद्ध के बहाने अपने ग्रेटर इजराइल के नजरिए को आगे बढ़ा रहा है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ईरान पर अमेरिका-इजराइल की बमबारी और ईरान के जवाबी

हमले का आज 28वां दिन है। पिछले चार हफ्तों में, जबकि दुनिया की नजर होर्मुज जल डमरूमध्य और खाड़ी देशों में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रही है, इजराइल ने गाजा के लोगों पर अपनी क्रूरता जारी रखी है, दक्षिणी लेबनान में अपने लिए एक बड़ा बफर जोन बनाने के लिए अभियान शुरू किया और वेस्ट बैंक पर अपने कब्जे को पक्के कब्जे में बदलने के लिए कदम उठाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान पश्चिम एशिया युद्ध इजराइल को ग्रेटर इजराइल के अपने दृष्टिकोण पर आगे बढ़ने के लिए कवर प्रदान कर रहा है और फलस्तीनी राष्ट्र के लिए किसी भी उम्मीद को भी खत्म कर रहा है।

निवासियों पर अतिरिक्त बोझ ना पड़े इसके लिए केंद्र के साथ मिलकर काम कर रहे हैं: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र के साथ समन्वय में काम कर रही है ताकि वैश्विक परिस्थितियों से उत्पन्न कोई भी अतिरिक्त बोझ निवासियों पर ना पड़े। गुप्ता शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की उच्च स्तरीय बैठक का हिस्सा थीं, जिसमें वैश्विक चुनौतियों के बीच आर्थिक गति बनाए रखने और आवश्यक संसाधनों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। गुप्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की उच्च स्तरीय बैठक में वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुई। उन्होंने कहा, वैश्विक परिदृश्य के बीच देश की आर्थिक गतिशीलता तथा आवश्यक संसाधनों की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखना हमारी साझा प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री मान ने की जनता से अपील- ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद, अफवाहों पर ध्यान न दें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को

जनता को भरोसा दिया कि ईंधन की घबराहट में खरीदारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। मान ने संवाददाताओं से कहा, "हमारे पास तेल का पर्याप्त भंडार है, जैसा कि हाल तक रहा करता था। हमारे देश में एलपीजी की आपूर्ति भी पर्याप्त है। मैं लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह करता हूं। हम मांग पूरी कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, " लोग ईंधन की घबराहट में अंधाधुंध खरीदारी न करें। घरों में बड़ी मात्रा में ईंधन का भंडारण खतरनाक हो सकता है, और मैं ऐसे जोखिम न लेने की सलाह देता हूं।" मान शुक्रवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों की बुलाई गई ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान, मान ने एक अप्रैल से शुरू होने वाले गेहूं खरीद सत्र पर प्रकाश डाला और आश्वासन दिया कि प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए पर्याप्त ईंधन भंडार उपलब्ध है। मान ने कहा, "सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत, हमें राष्ट्रीय कोटे के लिए फसल खरीदनी होती है। हमने कहा कि फसल की सुचारू आवाजाही के लिए ईंधन की कोई कमी नहीं होनी चाहिए।"

मतदान केंद्रों पर बायोमेट्रिक प्रणाली लगाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनावी प्रक्रिया में धांधली को रोकने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में दोहरी वोटिंग, पहचान बदलकर वोट डालने और फर्जी मतदाताओं द्वारा वोट डालने के मामलों का जिक्र किया गया है। याचिकाकर्ता ने आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान केंद्रों पर फिंगरप्रिंट और आइरिस बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली लागू करने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की है। यह जनहित याचिका अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर की गई है। संविधान के अनुच्छेद 32

का हवाला देते हुए याचिका में मौजूदा सुरक्षा उपायों के बावजूद रिश्वतखोरी, अनुचित प्रभाव, पहचान छिपाकर वोट डालना, दोहरी वोटिंग और फर्जी वोटिंग की निरंतर घटनाओं पर चिंता जताई गई है। याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से आग्रह किया है कि वह चुनाव आयोग को विशेष रूप से आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान केंद्रों पर फिंगरप्रिंट और आइरिस-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण शुरू करने का निर्देश दे। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक मतदाता ही वोट डाल सकें और एक नागरिक, एक वोट के सिद्धांत का कड़ाई से पालन हो। मौजूदा मतदाता पहचान प्रणाली की कमियां याचिका में तर्क दिया गया है कि वर्तमान मतदाता पहचान विधियां, जो काफी हद तक मतदाता पहचान पत्र और मैन्युअल सत्यापन पर आधारित हैं, पुरानी तस्वीरों, लिपिकीय त्रुटियों और वास्तविक समय सत्यापन की कमी के कारण दुरुपयोग की संभावनाओं से ग्रस्त हैं। याचिका में कहा गया है कि बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, जो अद्वितीय और गैर-डुप्लिकेट होता है, पहचान छिपाकर वोट डालने और कई बार वोट डालने जैसी समस्याओं को प्रभावी ढंग से समाप्त कर देगा।

अपर पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति जागरूकता के साथ समाधान दिवस व वार्षिक निरीक्षण किया

सिद्धार्थनगरः जिले के अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के नेतृत्व में शनिवार को थाना परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति के तहत जागरूकता कार्यक्रम, थाना समाधान दिवस तथा थाना शिवनगर डिंडई का वार्षिक निरीक्षण किया।

सबसे पहले थाना परिसर में आयोजित मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम में कासिम इंटर कॉलेज गजहड़ा की छात्राओं व अध्यापिकाओं को महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। महिला आरक्षी प्रतिमा दूबे व उनकी टीम

ने साइबर फ्रॉड से बचाव, हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग तथा मोबाइल में ऑटो डाउनलोड बंद रखने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। साथ ही किसी भी प्रकार के फ्रॉड की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत कॉल करने की सलाह दी गई।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने बेटियों को आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स, द्रौपदी मुर्मू, पी.टी. ऊषा, मैरी कॉम व दीप्ति शर्मा जैसी प्रेरणादायक हस्तियों का उदाहरण देते हुए छात्राओं को मेहनत और लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा के क्षेत्र में आगे कैसे बढें जैसे 11 वीं की प्रज्ञा साहू, पूजा गुप्ता, संधना व काजल शर्मा, आदि छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने अपनी शिक्षा यात्रा साझा करते हुए कहा कि छात्र जीवन, संघर्ष का समय होता है और मजबूत आधार ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने गाइड व ऑनलाइन सामग्री के बजाय पाठ्यक्रम की पुस्तकों से पढ़ाई करने की सलाह दी। इसके पश्चात अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना शिवनगर डिंडई का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें सलामी दी गई तथा शस्त्रागार में असलहों के रखरखाव, कार्यालय की पंजिकाओं, आगंतुक रजिस्टर, मेस व बैरक की साफ-सफाई का जायजा लिया। व्यवस्थाएं संतोषजनक पाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य को शाबाशी दी । नायब तहसीलदार महमूद आलम ने समाधान दिवस में आए फरियादियों की फरियाद की सुनवाई कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नायब तहसीलदार महमूद आलम, सांसद प्रतिनिधि मिठवल राजेंद्र तिवारी व महिला लेखपाल शिवानी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। राजस्व निरीक्षक अशोक कुमार श्रीवास्तव, अन्य लेखपालगण कॉलेज प्रबंधक शोयब अहमद, दिलीप तिवारी व अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण को लेकर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्कूली छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय सूपाराजा थाना जोगिया उदयपुर की छात्राओं को मिशन फेज 5 (द्वितीय चरण) के तहत महिला सशक्तिकरण, महिला अपराध व साइबर अपराधों से बचाव के संबंध मे जागरूक किया। जिले जिलाधिकारी श शिवशरणप्पा जीएन और डॉ अभिषेक महाजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा मिशन फेज 5 द्वितीय चरण के तहत थाना जोगिया उदयपुर क्षेत्रान्तर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय सूपाराजा पर छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई । इस दौरान कॉलेज की छात्राओ द्वारा भी महिला सशक्तिकरण के संबंध मे अपने विचार प्रस्तुत किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान थानाध्यक्ष अभय सिंह तथा मिशन शक्ति केन्द्र जोगिया उदयपुर व अन्य अधिकारी के साथ अध्यापक व कर्मचारीगण मौजूद रहें।

पुलिस ने एक नफर वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

सिद्धार्थनगर जिले की मोहाना थाना पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय भेजा गया । डॉ अभिषेक महाजन के आदेश पर एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर व विश्वजीत सौरयान (क्ढर), क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में जितेन्द्र सिंह थानाध्यक्ष मोहाना के कुशल नेतृत्व मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे वांछित/वारण्टी के तहत फौ0 वाद संख्या 8067/2023 धारा 323,504,506 भा0द0वि0 थाना मोहाना से सम्बन्धित वारण्टी मनीषा पत्नी राममिलन यादव साकिन खलीलपुर टोला गोपालपुर को गिरफ्तार कर उप निरीक्षक खुशी लाल शर्मा, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार भारती, महिला कांस्टेबल अन्जू वर्मा की टीम ने न्यायालय भेजा।

थाना समाधान दिवस में पुलिस क्षेत्र अधिकारी ने सुनी जन समस्या और थाने किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ सर्किल द्वारा थाना कठेला समय माता पर थाना समाधान दिवस पर उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को सुना

गया एवं मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण किया गया। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में मयंक द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी शोहतगढ़ द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के तहत थाना कठेला समय माता मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर हेल्प डेस्क का निरीक्षण कर वहां पर उपलब्ध अभिलेखों, शिकायतों के निस्तारण एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।तत्पश्चात थाना समाधान दिवस के अवसर पर उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया, जिनमें मुख्य रूप से भूमि संबंधी विवाद शामिल रहे। महोदय द्वारा सभी प्रकरणों में निष्पक्ष एवं त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। एवं द्वारा समस्त पुलिस बल को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जनता से सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखने एवं शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार को निर्देशित किया।

याँत्रिक कारखाना, गोरखपुर की हरित पहलः कार्बन न्यूट्रल लक्ष्य की ओर निर्णायक कदम

गोरखपुर,: पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पूर्वोत्तर रेलवे की प्राथमिकताओं में है। इसी क्रम में, नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन के राष्ट्रीय लक्ष्य को ध्यान में रखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के सभी प्रतिष्ठानों में ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा एवं हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के मार्गदर्शन में याँत्रिक कारखाना, गोरखपुर में समन्वित एवं समयबद्ध प्रयासों के माध्यम से वर्ष 2029 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने की ओर अग्रसर है तथा कार्बन न्यूट्रल बनने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। औद्योगिक उत्कृष्टता के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का संतुलन स्थापित करते हुये कारखाना प्रशासन ने एक चरणबद्ध एवं वैज्ञानिक कार्य योजना तैयार कर उसका क्रियान्वयन प्रारम्भ कर दिया है। याँत्रिक कारखाना, गोरखपुर में ग्रीनहाउस गैस (जी.एच.जी.) के आकलन के अनुसार कार्यशाला की प्रक्रियाओं से वर्तमान में लगभग 72,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है, जिसमें स्कोप-1 के अन्तर्गत 70,000 टन तथा स्कोप-2 के अन्तर्गत 2,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड सम्मिलित है। इस आधार पर प्रमुख उत्सर्जन स्रोतों की पहचान कर उन्हें नियंत्रित करने हेतु ठोस रणनीति बनाई गई है। कारखाना प्रशासन ने कार्य योजना के अनुसार इन उत्सर्जनों को घटाकर लगभग 11,500 टन कार्बन डाइऑक्साइड तक सीमित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। याँत्रिक कारखाना में प्रत्यक्ष उत्सर्जन में कमी लाने के लिये गैस कटिंग प्रक्रियाओं में डी.ए. गैस के स्थान पर एल.पी.जी. एवं ऑक्सी-हाइड्रोजन तकनीक अपनाई जा रही है, जिससे ईंधन दक्षता बढ़ेगी और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आयेगी। इसके अतिरिक्त डीजल आधारित आंतरिक परिवहन साधनों को चरणबद्ध रूप से बैटरी चालित एवं बी.एस.-6 वाहनों से प्रतिस्थापित किया जा रहा है। ऊर्जा प्रबन्धन के क्षेत्र में सुधार हेतु ऊर्जा उपभोग के प्रमुख बिंदुओं पर आई.ओ.टी. आधारित स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली स्थापित की जा रही है, जिससे वास्तविक समय में ऊर्जा खपत की निगरानी सम्भव होगी। ट्रांसफॉर्मर एवं कम्प्रेसरों की ऊर्जा दक्षता ऑडिट को अनिवार्य बनाया गया है तथा वी.वी.एफ. ड्राइव्स एवं ऊर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। जल संरक्षण को भी इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। उच्च उपभोग बिंदुओं पर जल योद्धाओं कि तैनाती कर 100 प्रतिशत मीटरिंग, लीकेज नियंत्रण, अग्निशमन हाइड्रेंट प्रणाली में सुधार तथा स्काडा आधारित निगरानी प्रणाली लागू कर जल एवं ऊर्जा उपयोग को वैज्ञानिक ढंग से नियंत्रित करने की योजना है। नवीकरणीय ऊर्जा को इस पहल का प्रमुख आधार बनाते हुये कारखाना परिसर में 500 के.डब्ल्यू.पी. क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जबकि वर्तमान में 1,000 के.डब्ल्यू.पी. सौर ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। इसे आगामी चरणों में लगभग 6,000 के.डब्ल्यू.पी. तक विस्तारित करने की योजना है। साथ ही 2,500 से अधिक पौधारोपण के माध्यम से कार्बन अवशोषण क्षमता बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। जल संरक्षण हेतु 100 प्रतिशत मीटरिंग, लीकेज नियंत्रण एवं स्काडा आधारित निगरानी प्रणाली लागू की जा रही है।

69वीं ऑल इंडिया रेलवे क्रिकेट चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता पूर्वोत्तर रेलवे क्रिकेट टीम

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के क्रिकेट खिलाड़ियों का कड़े अभ्यास एवं उन्नत प्रशिक्षण के फलस्वरूप शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। इसी क्रम में मुंबई में 23 से 31 मार्च, 2026 तक खेली जा रही 69वीं ऑल इंडिया रेलवे क्रिकेट चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान उपेंद्र यादव के शानदार शतक की बदौलत पूर्वोत्तर रेलवे ने पश्चिम रेलवे, मुंबई को 90 रनों से हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया। इस चैम्पियनशिप में कुल 28 टीमों ने भाग लिया। पश्चिम रेलवे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का मौका पूर्वोत्तर रेलवे को दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में सभी विकेट खोकर 240 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसमे कप्तान उपेंद्र यादव ने शानदार 110, साहेब युवराज सिंह ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 51 रन बनाये जबकि शुभम चौबे और रजत निर्वाल ने 27-27 रनों का योगदान दिया। पश्चिम रेलवे के वरूण ने 03 एवं सुरेन्द्र, जमशेद, विनायक ने 02-02 विकेट लिये। जवाब में पश्चिम रेलवे की पूरी टीम 40 ओवरों में 150 रनों पर सिमट गई। मुंबई के हर्षल जाधव ने सर्वाधिक 42 रनों का योगदान दिया। पूर्वोत्तर रेलवे के कृतज्ञ ने चार त्रिशाल और विराट ने दो दो जबकि रजत और अंकित यादव ने एक-एक विकेट लिया। ज्ञातव्य है कि रणजी ट्रॉफी में भाग लेने वाले भारतीय रेलवे सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम में चयनित पूर्वोत्तर रेलवे के क्रिकेट खिलाड़ी उपेन्द्र यादव भारतीय ह्यएह्य में भी प्रतिभाग कर चुके हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के उदीयमान क्रिकेट खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री विजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह, क्रिकेट/कोच श्री रंजीत यादव तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

शार्ट टर्मिनेट/शार्ट ओरिजिनेट की गई निम्नलिखित गाड़ियों के शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन अवधि को निम्नवत बढ़ा दिया गया है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु गोरखपुर जं. स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण पूर्व में शार्ट टर्मिनेट/शार्ट ओरिजिनेट की गई निम्नलिखित गाड़ियों के शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन अवधि को निम्नवत बढ़ा दिया गया है।

शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन-

-दादर से 14 मई, 2026 तक चलने वाली 01027 दादर-गोरखपुर विशेष गाड़ी मऊ जं. पर शार्ट टमिनेट होगी। यह गाड़ी मऊ-गोरखपुर के बीच निरस्त रहेगी। गोरखपुर से 16 मई, 2026 तक चलने वाली 01028 गोरखपुर-दादर विशेष गाड़ी मऊ जं. से चलाई जायेगी। यह गाड़ी गोरखपुर-मऊ के बीच निरस्त रहेगी।

-बान्द्रा टर्मिनस से 09 मई, 2026 तक चलने वाली 22921 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस बलरामपुर में शार्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी बलरामपुर-गोरखपुर के बीच निरस्त रहेगी। गोरखपुर से 12 मई, 2026 तक चलने वाली 22922 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस बलरामपुर से चलाई जायेगी। यह गाड़ी गोरखपुर-बलरामपुर के बीच निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 30 अप्रैल, 2026 तक चलने वाली 15103 गोरखपुर-बनारस एक्सप्रेस वाराणसी सिटी स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी वाराणसी सिटी-बनारस के बीच निरस्त रहेगी। बनारस से 01 मई, 2026 तक चलने वाली 15104 बनारस-गोरखपुर एक्सप्रेस वाराणसी सिटी स्टेशन से चलाई जायेगी। यह गाड़ी बनारस-वाराणसी सिटी के बीच निरस्त रहेगी।

अस्थाई यात्रा मार्ग विस्तार-

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 15 मई, 2026 तक चलने वाली 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस गोण्डा तक चलाई जायेगी। गोरखपुर से 17 मई, 2026 तक चलने वाली 11056 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गोण्डा से चलाई जायेगी।

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 15 मई, 2026 तक चलने वाली 20103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस भटनी तक तक चलाई जायेगी। गोरखपुर से 17 मई, 2026 तक चलने वाली 20104 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस भटनी से चलाई जायेगी।

-साबरमती से 14 मई, 2026 तक चलने वाली 19409 साबरमती-गोरखपुर एक्सप्रेस थावे तक चलाई जायेगी। गोरखपुर से 16 मई, 2026 तक चलने वाली 19410 गोरखपुर-साबरमती एक्सप्रेस थावे से चलाई जायेगी।

-पुणे से 14 मई, 2026 तक चलने वाली 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस बढ़नी तक चलाई जायेगी। गोरखपुर से 17 मई, 2026 तक चलने वाली 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस बढ़नी से चलाई जायेगी। -आनन्द विहार टर्मिनस से 08 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 15058 आनन्द विहार टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस मऊ जं. तक चलाई जायेगी। गोरखपुर से 09 अप्रैल से 14 मई, 2026 तक चलने वाली 15057 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस मऊ जं. से चलाई जायेगी। इस अवधि में इन गाड़ियों का ठहराव देवरिया सदर एवं सलेमपुर स्टेशनों पर प्रदान किया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

दर्जनों गांवों में अनिल चौधरी का जनसंपर्क, लोगों से किया सीधा संवाद

सिद्धार्थनगरः जिले में अपना दल (एस) के प्रदेश सचिव (शिक्षा मंच) अनिल चौधरी ने शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क

अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने सिसवा बुजुर्ग, बहुति, पकरैला, मेहदानी, औरहवा, परसा देवाईचपार व देवियापुर सहित कई गांवों में पहुंचकर आमजन से संवाद स्थापित किया। जनसंपर्क के दौरान अनिल चौधरी ने लोगों से सीधे बातचीत करते हुए पार्टी की नीतियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन की दिशा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि अपना दल (एस) लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान के लिए प्रयासरत है। पार्टी का उद्देश्य कमजोर, शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकार, सम्मान और विकास को सुनिश्चित करना है। अनिल चौधरी ने यह भी कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं के उत्थान और सभी वर्गों को बिना भेदभाव समान अवसर उपलब्ध कराना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता के साथ, जनता के लिए पार्टी का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। जनसंपर्क अभियान के दौरान प्रकाश चन्द, लालजी चौधरी, ओमप्रकाश, राजेश अग्रहरि, राम तीरथ शुक्ला, बुध सागर शुक्ला(ग्राम प्रधान) सुरेंद्र गुप्ता, मनोज यादव, उदय भान साहनी सहित स्थानीय कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने महिला अपराध रोकने के लिए महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले में मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के क्रम में थाना बांसी पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम छितौना थाना बांसी में मिशन शक्ति अभियान, नये कानून ,साइबर अपराध सुरक्षा व एंटी रोमियो अभियान के तहत बालिकाओं/महिलाओं को पम्पलेट वितरित कर जागरूक किया। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत ग्राम छितौना में उप निरीक्षक राजनाथ सिंह कांस्टेबल राजेश कुमार मौर्य, महिला कांस्टेबल प्रियंका, होमगार्ड विजय दूबे की टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को नये कानून ,साइबर अपराध सुरक्षा व एंटी रोमियो अभियान के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर, व नए कानून के बारे में जानकारी दी गई व नई धाराओं को भी बताया गया।

न्यायालय से भागे दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

बस्ती। जिले के पैकोलिया थाना के पटना गांव का रहने वाला दुष्कर्म का आरोपी रामबाबू 25 मार्च को पेशी के दौरान न्यायालय कर्मचारियों को चकमा देकर फरार हो गया था। इस मामले में आरोपी के खिलाफ न्यायालय कर्मचारी ने एफआईआर दर्ज कराया। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को कचहरी चौराहा से गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि मामला परशुरामपुर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। परशुरामपुर थाने में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज है। संबंधित आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस 25 मार्च को न्यायालय में पेश कर दी थी। आरोपी की तरफ से जमानत के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया गया था। मगर न्यायालय ने उसका जमानत प्रार्थना पत्र अस्वीकार कर दिया और 30 मार्च तक न्यायिक अभिरक्षा में उसे रहने के लिए आदेशित किया। इसी बीच आरोपी ने पेट में दर्द होने की बात कहकर बाथरूम जाने का बहाना बनाया। न्यायालय में भीड़ का फायदा उठाकर वह फरार हो गया। तभी से पुलिस उसकी तलाश में जुट गई थी। विवेचक अजय सिंह ने बताया कि आरोपी को दोबारा कचहरी चौराहा से गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश कर दिया गया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया है। दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार : बस्ती। कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी दुर्गेश्वर कुमार शुक्रवार को मूड़घाट पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

पीएसी के सिपाही ने फर्जी तलाकनामे पर रचा ली दूसरी शादी

बस्ती। सोनहा थाने में तैनात महिला सिपाही प्रतिभा वर्मा ने अपने पति पर धोखाधड़ी करके दूसरी शादी रचाने का आरोप लगाया है। एसपी डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने महिला के पति के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी दिलाने एवं अभद्रता करने के मामले में एफआईआर दर्ज किया है। एसपी को दिए प्रार्थना पत्र में महिला सिपाही प्रतिभा वर्मा ने बताया कि वह ग्राम सिहावत थाना जिगिना जनपद मिजार्पुर की निवासी है। उनकी शादी पीएसी में तैनात कांस्टेबल संदीप वैनवंशी बहेरी थाना खानपुर, जिला गाजीपुर से हुई है। पत्नी ने आरोप लगाया है कि उनके पति ने फर्जी तलाक का कागजात तैयार उनकी न जानकारी में दूसरी शादी रचा ली है। जिससे उन्हें गहरा आघात पहुंचा है।

राजधानी में डंपिंग यार्डों से कूड़ा उठान में देरी, एलएसए ने लिखा-इमरजेंसी में ईंधन दिलाएं

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में घर-घर कूड़ा कलेक्शन के बाद डंपिंग यार्डों (कूड़ा घरों) में कूड़ा जमा हो रहा है। यहां से कूड़ा उठान में देरी हो रही है। कई पार्षदों को कहना है कि नगर निगम से हफ्ते में 2 दिन डीजल नहीं मिल रहा है। शहर के 5 जोन में सफाई व्यवस्था संभाल रही कार्यदायी संस्था एलएसए (लखनऊ स्वच्छता अभियान) ने नगर आयुक्त को एक लेटर भी लिखा है। इसके जरिये उसने मांग की है कि संस्था को इमरजेंसी सर्विस के तौर पर समय से ईंधन उपलब्ध कराया जाए, ताकि सेवा लगातार चलती रहे। हालांकि, नगर आयुक्त गौरव कुमार ने स्पष्ट किया है कि ईंधन की कमी नहीं है। शहर की हर व्यवस्था निर्बाध चलती रहेगी। बता दें कि डीजल-पेट्रोल खत्म होने की अफवाह के चलते पेट्रोल पंपों पर भीड़ लग रही है। नगर निगम के कई पार्षदों का कहना है कि कई बार अधिकारियों से शिकायत की कि शनिवार और रविवार को गाड़ियों को डीजल नहीं मिल रहा है। इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस वजह से कूड़ा घरों में भारी मात्रा में कूड़ा पड़ा रह रहा है। हालांकि, आरआर विभाग के चीफ इंजीनियर मनोज प्रभात का कहना है कि कोई ऐसी समस्या नहीं है।

नई गाइडलाइन से पहले रजिस्ट्री कराने की होड़, अवकाश में भी खुला कार्यालय

एक अप्रैल से बढ़ेंगी दरें

■ ग्वालियर

एक अप्रैल से नए वित्त वर्ष के साथ कलेक्टर गाइडलाइन की नई दरें लागू होने जा रही हैं, जिसके चलते जिले में जमीनों की रजिस्ट्री महंगी हो जाएगी। गाइडलाइन में प्रस्तावित बढ़ोत्तरी से बचने के लिए पंजीयन विभाग के कार्यालय में इन दिनों असामान्य भीड़ देखने को मिल रही है।

जानकारी के अनुसार केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने जिले की 61 प्रतिशत लोकेशन पर गाइडलाइन दरों में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। कुल 2 हजार 257 लोकेशन में से 1 हजार 376 स्थानों पर नई दरें लागू होने के बाद जमीन की खरीद-फरोख्त महंगी हो जाएगी। इससे पहले ही लोग पुराने दरों पर रजिस्ट्री कराने के लिए बड़ी संख्या में रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंच रहे हैं।

भीड़ को देखते हुए पंजीयन विभाग ने विशेष व्यवस्था करते हुए अवकाश के दिन भी रजिस्ट्रार कार्यालय खोला हैं। शुक्रवार को छुट्टी के बावजूद कार्यालय में कामकाज जारी रहा और शाम तक लगभग 600 रजिस्ट्रियां संपन्न कराई गईं। जबकि सामान्य दिनों में यह संख्या 250 से 300 के बीच रहती है।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में स्लॉट की संख्या भी बढ़ा दी गई है। प्रति सब-रजिस्ट्रार अब 50 स्लॉट निर्धारित किए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों को समय पर रजिस्ट्री की सुविधा मिल सके।

प्रशासन का मानना है कि अवकाश के दिनों में भी कार्यालय खुलने से लोगों को राहत मिलेगी और अंतिम दिनों में अत्यधिक दबाव की स्थिति से बचा जा सकेगा। हालांकि बढ़ती भीड़ के कारण लोगों को अपनी बारी के लिए इंतजार भी करना पड़ रहा है।

सबसे ज्यादा रजिस्ट्रियां वृत्त-2 में

जिले के वृत्त-2 क्षेत्र में सबसे अधिक रजिस्ट्रियां हो रही हैं, क्योंकि इस क्षेत्र में गाइडलाइन दरों में सबसे ज्यादा बढ़ोत्तरी प्रस्तावित है। इसके बाद वृत्त-1 दूसरे और डबरा तीसरे स्थान पर है।

शनिवार-रविवार को भी खुले रहेंगे कार्यालय

भीड़ को कम करने के लिए शनिवार और रविवार को भी रजिस्ट्रार कार्यालय खोला जाएगा। अवकाश के दिनों में काम होने से अन्य दिनों का दबाव कम होगा और अधिक लोगों को समय पर रजिस्ट्री कराने का अवसर मिल सकेगा।

नशामुक्त भारत अभियानः रथ व नुक्कड़ नाटकों से लोगों को किया जा रहा जागरूक

ग्वालियर। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा जिले में लगातार जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तीसरे दिन जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में नशामुक्ति रथों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इन रथों पर आकर्षक जिंगल्स, संदेश और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के उद्बोधनों का प्रसारण कर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। रथ शहर के वार्डों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत करा रहे हैं। अभियान में नुक्कड़ नाटक की टीमें भी सक्रिय हैं, जो विभिन्न स्थानों पर नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रही हैं। संयुक्त कलेक्टर विनोद सिंह ने बताया कि जिले में नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और नागरिकों से इसे जनआंदोलन बनाने की अपील की गई है।

खाद को लेकर चिंता न करें किसान, जिले में पर्याप्त भंडारण उपलब्ध

ग्वालियर। जिले में किसानों के लिए रासायनिक खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। वर्तमान में ग्वालियर जिले में 20 हजार 365 मैट्रिक टन खाद का भंडारण मौजूद है और आवश्यकता के अनुसार रेलवे रैक के माध्यम से लगातार खाद की आवक भी जारी रहेगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे खाद को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। जिलाधीश रुचिका चौहान ने निर्देश दिए हैं कि खाद वितरण के लिए लागू ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन) का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि किसान आसानी से टोकन प्राप्त कर खाद ले सकें। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास आर.बी.एस. जाटव का कहना है कि जिले में 7,818 मैट्रिक टन यूरिया, 6,471 मैट्रिक टन एनपीके, 2,230 मैट्रिक टन डीएपी, 3,657 मैट्रिक टन एसएसपी और 189 मैट्रिक टन एमओपी उपलब्ध है। सभी खाद विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे ई-टोकन के माध्यम से ही वितरण सुनिश्चित करें। नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

पुस्तक मेले में तीन दिन में 29.43 लाख की किताबें और स्टेशनरी की बिक्री

इस पहल को अभिभावकों ने सराहनीय बताया

■ ग्वालियर

विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है, उससे पहले जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों को उचित दरों पर पुस्तकें और स्टेशनरी दिलवाने के लिए पुस्तक मेले का आयोजन किया है। यह पुस्तक मेला 25 मार्च को शुरू हुआ था। पुस्तक मेले में अभिभावक पुस्तकें खरीदने के लिए पहुंच रहे हैं अब तक 29.43 लाख रुपए की पुस्तकें और स्टेशनरी का विक्रय हो चुका है।

मेला ग्राउंड में आयोजित इस पुस्तक मेले में विभिन्न व्यापारियों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, जहां पुस्तकों पर न्यूनतम 10 प्रतिशत तथा स्टेशनरी पर 20 प्रतिशत तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इस पहल को अभिभावकों ने सराहनीय बताया है।जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी के अनुसार 27 मार्च की शाम 6 बजे तक 2401 अभिभावकों द्वारा कुल लगभग 29.43 लाख रुपये की पुस्तकें एवं स्टेशनरी खरीदी गई। मेले में संचालित बुक बैंक योजना के तहत कक्षा 1 से 12 तक की लगभग 130 पुस्तकें एकत्रित कर जरूरतमंद 49 विद्यार्थियों को वितरित की गईं।

अभिभावकों ने फीडबैक रजिस्टर में मेले की प्रशंसा करते हुए लिखा कि एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सामग्री उचित दामों में उपलब्ध होना बहुत उपयोगी पहल है। अभिभावक राहुल अग्रवाल ने बताया कि यह व्यवस्था समय और पैसे दोनों की बचत करती है, वहीं श्रीमती शिवानी मिश्रा ने इसे बेहद सकारात्मक अनुभव बताया। यह पुस्तक मेला 3 अप्रैल 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक संचालित रहेगा। मेले का प्रवेश द्वार संस्कृति गार्डन की ओर से रखा गया है।

लोकसभा में सांसद भारत सिंह ने उठाई मांग

आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को औद्योगिक कॉरिडोर के तौर पर विकसित करने की मांग

■ ग्वालियर

सांसद भारत सिंह कुशवाह ने शुक्रवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान 6-लेन आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के दोनों ओर शासकीय भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। श्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई स्पीड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की स्वीकृति दिए जाने से ग्वालियर संसदीय क्षेत्र सहित पूरे अंचल के विकास को एक नई दिशा मिली है। यह कॉरिडोर न केवल दिल्ली और ग्वालियर के बीच की दूरी को कम करेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि इस हाई स्पीड कॉरिडोर के दोनों ओर स्थित शासकीय भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएं, इससे न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, बल्कि यह कॉरिडोर देश के मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने में सफल होगा। उद्योगों की स्थापना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।ग्वालियर चंबल अंचल की हवाई, रेल और सड़क मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी से क्षेत्र के विकास की असीम संभावना है। बानमोर के साथ मालनपुर और साडा औद्योगिक क्षेत्र पहले से ही औद्योगिक आधार प्रदान कर रहे हैं। नए कॉरिडोर के निर्माण से इन औद्योगिक क्षेत्रों को भी नया जीवन मिलेगा। लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी में सुधार होने से बानमोर, साडा और मालनपुर जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा, जिससे ग्वालियर मध्य भारत का एक प्रमुख औद्योगिक इंजन बनकर उभरेगा। वर्तमान में ग्वालियर-चंबल अंचल फिल्म निर्माण और शूटिंग के एक पसंदीदा केंद्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही ग्वालियर का सफेद पत्थर (व्हाइट मिंट सैंडस्टोन) अपनी मजबूती, सुंदरता के कारण दुनिया भर में मशहूर है, जिसका निर्यात कई देशों में किया जाता हैं।

छात्र सम्मेलन में शोध व नवाचार पर जोर

ग्वालियर। माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में दो दिवसीय चौथे अंतरराष्ट्रीय छात्र सम्मेलन मल्टीडिसिप्लिनरी एवं करंट टेक्निकल रिसर्च-2026 का समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अभय करंदीकर, विशिष्ट अतिथि डॉ. संदीप शर्मा एवं डॉ. चांग यून फाह ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर.के. पंडित, प्रो. एम. पंडित, प्रो वाइस चांसलर डॉ. मंजरी पंडित सहित विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। प्रो. अभय करंदीकर ने भारत सरकार की उन योजनाओं की जानकारी दी, जो विश्वविद्यालयों और स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान करती हैं। डॉ. संदीप शर्मा ने विद्यार्थियों को शोध को उपयोगी उत्पाद में बदलने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन में 145 शोध पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 51 स्वीकृत किए गए। पहले दिन तीन तकनीकी सत्रों में शोध प्रस्तुतियां हुईं।

माधव विधि महाविद्यालय के छात्रों ने बाल निकेतन व वृद्ध आश्रम में बांटा स्नेह

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित माधव विधि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सामाजिक सरोकारों के तहत सराहनीय पहल करते हुए माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने वहां निवासरत बच्चों और बुजुर्गों के साथ समय बिताकर उनसे संवाद किया और आत्मीयता का भाव प्रकट किया। कार्यक्रम में छात्रों ने बाल निकेतन के बच्चों के साथ खेल-कूद व मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। वहीं वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों से बातचीत कर उनके अनुभव सुने और उनका सम्मान किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने मिठाई, फल, लस्सी एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण भी किया। इस सेवा कार्य में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. सपना दुबौलिया, रोली श्रीवास्तव एवं धर्मेंद्र शर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करती हैं।

समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संगठन और संस्कार आवश्यकः तोमर

डॉ. अजय अग्निहोत्री की पुस्तक जाटों का इतिहास के तीसरे संस्करण का विमोचन

■ ग्वालियर

ग्वालियर किला परिसर में आयोजित अखिल भारतीय किसान राणा मेला एवं 270वें श्रद्धांजलि समारोह में महाराणा भीम सिंह राणा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर एवं हरपाल सिंह राणा उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत किशन सिंह राणा ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने श्री तोमर ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संगठन और संस्कार बेहद आवश्यक हैं। इस मौके पर महाराणा भीम सिंह राणा के जीवन व योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान कई वक्ताओं ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने, युवाओं को आगे बढ़ाने और समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने धर्मशाला निर्माण हेतु 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में देवेन्द्र सिंह मुरादाबाद एवं महावीर सिंह चाहर ने संगीतमयी वाणी में महाराणा की वीरगाथा सुनाई। इसी क्रम में अतिथियों द्वारा डॉ. अजय अग्निहोत्री की पुस्तक जाटों का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (गोहद, धौलपुर, भरतपुर) के तीसरे संस्करण का विमोचन किया गया। डॉ. कैलाश रंजन गुप्ता ने काव्यांजलि दी। इस अवसर पर परिषद द्वारा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिताओं के आयोजन और नकद पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा भी की गई। संचालन पूरन सिंह राणा एवं आभार तिलक सिंह राणा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष जण्डेल सिंह राणा, मलूक सिंह, रनवीर सिंह, गजेन्द्र सिंह, अजमेर सिंह, सुग्रीव सिंह, मानवेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग उठाई

ग्वालियर। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ग्वालियर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से एएनएम संवर्ग तथा जिला स्तरीय संवर्ग के कर्मचारियों की कई वर्षों से लंबित वरिष्ठता सूची शीघ्र जारी करने की मांग की है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि वरिष्ठता सूची जारी नहीं होने के कारण कर्मचारियों को पदोन्नति, वेतनवृद्धि और अन्य सेवा संबंधी लाभों से वंचित रहना पड़ रहा है। इससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। इसके साथ ही संघ ने एलएचवी के रिक्त पदों पर एलएचवी प्रशिक्षण प्राप्त एएनएम को प्रभार देने की भी मांग उठाई है, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन सुचारू रूप से हो सके। संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस संबंध में विभाग को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मांग करने वालों में रणबीर सिंह सिकरवार, महादेव सिंह गोयल, महेंद्र कुमार जैन, महेंद्र परिहार, विकास गुप्ता, हरिमोहन शर्मा, दिलीप सिंह राठौर सहित अन्य कर्मचारी नेता शामिल रहे। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

अग्नि सुरक्षा मेले की तैयारियों का जिलाधीश ने लिया जायजा

■ ग्वालियर

जिले के नागरिकों को अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित करने के उद्देश्य से 29, 30 और 31 मार्च को ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में अग्नि सुरक्षा मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। मेले में अग्नि सुरक्षा के उपायों की जानकारी, आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन, विक्रय और लाइव डेमो के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। जिलाधीश रुचिका चौहान ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ मेले की तैयारियों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी तैयारियां समय पर पूरी हों और अधिक से अधिक लोगों को मेले में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापारी संघों व नागरिकों से संपर्क कर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधीश ने कहा कि मेले में आने वाले नागरिक अग्नि सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही उपकरण विक्रेताओं को भी बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे लोग आसानी से सुरक्षा संबंधी सामग्री खरीद सकें।

विधायक ने किया सड़क निर्माण के लिए भूमिपूजन

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने शुक्रवार को वार्ड 60 के गुलमोहर सिटी में सड़क डामरीकरण कार्य के लिए क्षेत्रीय पार्षद केदार बरहादिया के साथ भूमिपूजन किया। यह कार्य लगभग 19 लाख रूपए की लागत से कराया जाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा विधायक डॉ. सतीश सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक डॉ. सिकरवार ने क्षेत्रीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सड़क निर्माण कार्य क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने एवं नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, आप सभी के सहयोग, विश्वास और आशीर्वाद से क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर गति पकड़ रहे हैं। हमारा संकल्प है कि क्षेत्र की हर सड़क, हर सुविधा को बेहतर बनाकर नागरिकों को सुगम और सुरक्षित जीवन प्रदान किया जाए। भूमिपूजन कार्यक्रम में डॉ. देवेन्द्र शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, अनिल शर्मा आदि मौजूद रहे।

युवक से हुई साइबर ठगी, गंवाए 1.71 लाख रुपए

ग्वालियर। नर्मदापुरम जिला इटारसी से ग्वालियर आया युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। साइबर ठगों ने मोबाइल के जरिए युवक के खाते से 1 लाख 71 हजार रुपए निकाल लिए। घटनाक्रम 3 से16 फरवरी के बीच का है। गोला का मंदिर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है। ईशांक रावत 21 पुत्र दीपक रावत इटारसी नर्मदापुरम का रहने वाला है और वर्तमान में प्रगति विहार कॉलोनी में किराए के मकान में रहता है। 3 फरवरी को ईशांक रावत मोबाइल चला रहा था। इसी दौरान मोबाइल किसी अज्ञात व्यक्ति ने हैक कर लिया। अज्ञात आरोपी ने ईशांक रावत के मोबाइल को हैक कर उसके बैंक एकाउंट से 1 लाख 71 हजार 200 रुपए निकाल लिए। बैंक खाते से रुपए निकलने की शिकायत उसने हेल्पलाइन नंबर दर्ज कराई। हेल्पलाइन नंबर से अब यह मामला गोला का मंदिर थाना पुलिस को भेजा गया है।

200 दुकानें, 15 झूले लगेंगे, 30 जून तक चलेगा मेला

शहर में एक मई से सजेगा ग्रीष्मकालीन रात्रि मेला

■ ग्वालियर

शहरवासियों के लिए एक बार फिर खुशखबरी है। ग्वालियर व्यापार मेले के बाद अब हर साल की तरह इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन रात्रि मेला 1 मई से शुरू होने जा रहा है, जो 30 जून तक चलेगा। मेले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और मेला प्राधिकरण पूरी सक्रियता के साथ व्यवस्थाएं जुटाने में लगा हुआ है।

इस बार मेले में लगभग 200 व्यापारी अपनी दुकानें सजाएंगे, जहां कपड़े, घरेलू सामान, खिलौने, खान-पान सहित हर तरह की चीजें उपलब्ध रहेंगी। वहीं बच्चों और बड़ों के मनोरंजन के लिए लगभग 15 आकर्षक झूले भी लगाए जाएंगे, जो मेले की रौनक को और बढ़ाएंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से ग्वालियर में ग्रीष्मकालीन रात्रि मेले की परंपरा लगातार लोकप्रिय होती जा रही है।

गर्मी के मौसम में जहां यह मेला व्यापारियों के लिए अच्छा अवसर साबित होता है, वहीं शहरवासियों और सैलानियों के लिए यह मनोरंजन और खरीदारी का बेहतरीन ठिकाना बन जाता है। हालांकि यह मेला आकार में अपेक्षाकृत छोटा होता है, लेकिन यहां मिलने वाली विविधता और माहौल लोगों को खासा आकर्षित करता है। शाम ढलते ही रोशनी और चहल-पहल के बीच यह मेला शहर की गर्म रातों को खुशनुमा बना देता है।

इनका कहना है

ग्रीष्मकालीन रात्रि मेला इस बार भी लगाया जाएगा। इस संबंध में हम व्यापारियों ने मेला प्राधिकरण को अवगत करा दिया है। हमारा कहना है कि इस बार का मेला 15 मई से 15 जून तक ही सीमित समय के लिए लगाया जाए। जिससे सैलानी यहां का भरपूर आनंद उठा सकें।

महेन्द्र भदकारिया
अध्यक्ष, मेला व्यापारी संघ

ट्रिपल आईटीएम में एआई समिट का शुभारम्भ

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान में आयोजित एआई समिट 2026 का शुभारम्भ शुक्रवार को हुआ। उद्घाटन अवसर पर डॉ. अनिल भारद्वाज, श्याम अग्रवाल, प्रो. एस.एन. सिंह, प्रो. अनुराग श्रीवास्तव और प्रो. अजय कुमार ने संयुक्त रूप से समिट का शुभारंभ किया। इस दौरान समिट की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। तकनीकी सत्रों में अंतरिक्ष अनुसंधान, उद्योग, कृषि, पर्यटन और ऊर्जा जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार रखे। डॉ. अनिल भारद्वाज ने चंद्रयान मिशनों के माध्यम से वैज्ञानिक प्रगति पर प्रकाश डाला, वहीं मोहित वर्मा ने डेटा ऑटोमेशन और स्वदेशी तकनीक के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. संजय शर्मा ने कृषि में एआई और आईओटी के उपयोग को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में लगभग 130 प्रतिभागियों ने पोस्टर प्रस्तुति और हैकाथॉन में भाग लिया। प्रथम दिन का समापन पैनल चर्चा और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया पर अंकुश

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुमार्ना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरूआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुमार्ने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं। विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं। यही वजह है हफ्तों चले मुकदमे के दौरान बड़ी संख्या में किशोरों के अभिभावक वादी के पक्ष में अदालत के परिसर में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिये जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्कों की सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों का खतरा बढ़ गया है।, भारत समेत कई विकसित व विकासशील देशों में सोशल मीडिया से बच्चों के जीवन में पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर चिंता सालों से बनी हुई है। लेकिन देश में इस बाबत कोई नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती। बच्चों की पढ़ाई खराब होने और उनके मानसिक रोगों से ग्रस्त होने की आशंका से अब अभिभावक आक्रोश व्यक्त करने लगे हैं। यही वजह है कि दुनिया के विकसित देशों में इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बच्चों को दूर रखने के लिए कानून बन रहे हैं।

बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम और पारंपरिक भ्रांतियाँ

सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती। भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। 2024 में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ को पार कर गई है। यह एक ऐसी समस्या है जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। एक तरफ जहाँ देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती आबादी उस तरक्की को खा जा रही है। सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बेरोजगारी– ये सब बढ़ती जनसंख्या के प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इस लेख में हम बढ़ती जनसंख्या से होने वाले नुकसानों को समझेंगे और उन पारंपरिक विचारधाराओं का खंडन करेंगे जो अधिक संतान पैदा करने को प्रेरित करती हैं। बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणामः गरीबी और भुखमरीः जब किसी परिवार में कमाने वाला एक होता है और खाने वाले दस, तो गरीबी अपने आप आ जाती है। यही बात पूरे देश पर लागू होती है। भारत में उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा तेजी से आबादी बढ़ रही है। नतीजा यह होता है कि प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है। करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं। गरीबी का सीधा संबंध अधिक जनसंख्या से है। बेरोजगारी : हर साल लाखों युवा पढ़-लिखकर नौकरी ढूँढने निकलते हैं, लेकिन नौकरियाँ उतनी तेजी से नहीं बढ़तीं जितनी तेजी से लोग बढ़ रहे हैं। एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं। इससे निराशा, अपराध और सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है। अगर जनसंख्या नियंत्रित होती तो हर हाथ को काम मिलना आसान होता। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझः सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती। पर्यावरण का विनाशः ज्यादा लोग यानी ज्यादा जमीन की जरूरत, ज्यादा पानी की खपत, ज्यादा प्रदूषण और ज्यादा कचरा। जंगल काटकर बस्तियाँ बसाई जा रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को साफ पानी और स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होगी। आवास और शहरीकरण की समस्याः शहरों में जगह कम पड़ रही है। मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोग तंग और अस्वच्छ जगहों पर रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या – ये सब अधिक जनसंख्या का ही नतीजा है। अपराध और सामाजिक अशांतः जब लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होतीं तो अपराध बढ़ता है। भूख, बेरोजगारी और निराशा लोगों को गलत रास्ते पर धकेलती है। अधिक जनसंख्या वाले इलाकों में चोरी, लूट और हिंसा की घटनाएँ ज्यादा देखी जाती हैं। पारंपरिक भ्रांतियाँ और उनका खंडनः हमारे समाज में कई ऐसी पुरानी मान्यताएँ प्रचलित हैं जो लोगों को अधिक संतान पैदा करने के लिए प्रेरित करती हैं। इन मान्यताओं की जड़ें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं में हैं। आइए इन भ्रांतियों को एक-एक करके समझें और उनका तर्कपूर्ण खंडन करें। भ्रांति 1: संतान से मोक्ष मिलता हैः यह सबसे प्रचलित मान्यता है कि पुत्र के बिना मोक्ष नहीं मिलता। कहा जाता है कि पुत्र पिंडदान करेगा तो पूर्वज मुक्त होंगे। इस मान्यता के कारण लोग बेटे की चाह में कई संतानें पैदा करते रहते हैं। खंडन : अगर हम धर्मग्रंथों को गहराई से पढ़ें तो मोक्ष कर्म, ज्ञान और भक्ति से मिलता है, संतान की संख्या से नहीं। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि मोक्ष का मार्ग निष्काम कर्म और आत्मज्ञान है। कोई भी धर्मग्रंथ यह नहीं कहता कि जिसके ज्यादा बच्चे होंगे, उसे ज्यादा पुण्य मिलेगा। मोक्ष व्यक्ति के अपने आचरण, सदाचार और आध्यात्मिक साधना पर निर्भर करता है। अगर संतान से ही मोक्ष मिलता तो संन्यासियों, साधुओं और ऋषि-मुनियों को मोक्ष कैसे प्राप्त होता? शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद – इन सबने संतान नहीं उत्पन्न की, फिर भी ये महापुरुष माने गए। भ्रांति 2: बेटा जरूरी है, बेटी से काम नहीं चलता : समाज में यह धारणा गहरी जड़ें जमाए बैठी है कि बेटा वंश आगे बढ़ाता है, बुढ़ापे का सहारा बनता है और अंतिम संस्कार करता है। इसलिए लोग बेटे की चाह में बच्चे पैदा करते रहते हैं। खंडन : आज के समय में बेटियाँ हर क्षेत्र में बेटों से आगे निकल रही हैं। चाहे सेना हो, अंतरिक्ष हो, खेल हो या प्रशासन – बेटियाँ हर जगह अपना परचम लहरा रही हैं। कई बेटियाँ अपने माता-पिता की बुढ़ापे में बेटों से बेहतर देखभाल करती हैं। रही बात अंतिम संस्कार की, तो आज कानूनी रूप से बेटी को भी यह अधिकार प्राप्त है। जो लोग बेटे की चाह में पाँच-छह बेटियाँ पैदा कर देते हैं, वे न उन बेटियों को अच्छी शिक्षा दे पाते हैं, न अच्छा जीवन। यह कोई समझदारी नहीं, बल्कि मूर्खता है। भ्रांति 3 : ज्यादा बच्चे यानी बुढ़ापे का सहारा : कई लोग सोचते हैं कि जितने ज्यादा बच्चे होंगे, बुढ़ापे में उतना ज्यादा सहारा मिलेगा। उनका मानना है कि एक-दो बच्चे हुए तो कौन देखभाल करेगा। खंडन : सच्चाई यह है कि आज के समय में ज्यादा बच्चे होने का मतलब ज्यादा सहारा नहीं, बल्कि ज्यादा खर्चा और ज्यादा चिंता है।

> ***नतीजा यह होता है कि प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है। करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं। गरीबी का सीधा संबंध अधिक जनसंख्या से है। बेरोजगारी : हर साल लाखों युवा पढ़-लिखकर नौकरी ढूँढने निकलते हैं, लेकिन नौकरियाँ उतनी तेजी से नहीं बढ़तीं जितनी तेजी से लोग बढ़ रहे हैं। एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं। इससे निराशा, अपराध और सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है। अगर जनसंख्या नियंत्रित होती तो हर हाथ को काम मिलना आसान होता। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझः सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती। पर्यावरण का विनाशः ज्यादा लोग यानी ज्यादा जमीन की जरूरत, ज्यादा पानी की खपत, ज्यादा प्रदूषण और ज्यादा कचरा। जंगल काटकर बस्तियाँ बसाई जा रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को साफ पानी और स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होगी। आवास और शहरीकरण की समस्याः शहरों में जगह कम पड़ रही है। मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोग तंग और अस्वच्छ जगहों पर रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या – ये सब अधिक जनसंख्या का ही नतीजा है। अपराध और सामाजिक अशांतः जब लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होतीं तो अपराध बढ़ता है। भूख, बेरोजगारी और निराशा लोगों को गलत रास्ते पर धकेलती है। अधिक जनसंख्या वाले इलाकों में चोरी, लूट और हिंसा की घटनाएँ ज्यादा देखी जाती हैं। पारंपरिक भ्रांतियाँ और उनका खंडनः हमारे समाज में कई ऐसी पुरानी मान्यताएँ प्रचलित हैं जो लोगों को अधिक संतान पैदा करने के लिए प्रेरित करती हैं। इन मान्यताओं की जड़ें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं में हैं। आइए इन भ्रांतियों को एक-एक करके समझें और उनका तर्कपूर्ण खंडन करें। भ्रांति 1: संतान से मोक्ष मिलता हैः यह सबसे प्रचलित मान्यता है कि पुत्र के बिना मोक्ष नहीं मिलता। कहा जाता है कि पुत्र पिंडदान करेगा तो पूर्वज मुक्त होंगे। इस मान्यता के कारण लोग बेटे की चाह में कई संतानें पैदा करते रहते हैं। खंडन : अगर हम धर्मग्रंथों को गहराई से पढ़ें तो मोक्ष कर्म, ज्ञान और भक्ति से मिलता है, संतान की संख्या से नहीं। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि मोक्ष का मार्ग निष्काम कर्म और आत्मज्ञान है।***

रणनीतिक स्वायत्तता या अनिश्चितता? भारतीय कूटनीति का बदलता स्वरूप

अरुण कुमार डनायक

भारतीय विदेश नीति की विशिष्टता लंबे समय तक यह रही कि उसने राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, संप्रभुता, उपनिवेशवाद-विरोध और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को समान महत्व दिया। नेहरू के नेतृत्व में भारत ने महाशक्तियों की गुटबंदी से दूर रहकर शांति, संप्रभुता और गुटनिरपेक्षता के माध्यम से अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखी। नेहरू केवल आदर्शवादी नहीं थेय आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने व्यावहारिक कूटनीति का भी परिचय दिया। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों से तकनीकी सहयोग सीमित होने पर भारत ने सोवियत संघ तथा बाद में यूरोपीय देशों के साथ औद्योगिक सहयोग स्थापित कर संतुलनकारी कूटनीति का परिचय दिया। इंदिरा गांधी ने जटिल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में कूटनीतिक दृढ़ता दिखाई। 1971 के युद्ध में अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत अपनी रणनीति पर अडिग रहा। शिमला समझौता ने संघर्ष के बाद भी कूटनीतिक समाधान व क्षेत्रीय सहयोग की उसकी प्रतिबद्धता को दशार्या। यद्यपि नेहरू की कश्मीर-चीन नीति और इंदिरा गांधी के शिमला समझौते को लेकर आलोचनाएँ होती रही हैं, किंतु तत्कालीन वैश्विक परिस्थितियों में दोनों ने भारत के आत्मसम्मान और संप्रभुता से समझौता नहीं किया। भारतीय विदेश नीति में एक निर्णायक मोड़ पी व्ही नरसिम्हा राव के कार्यकाल में आया, जब शीत युद्ध समाप्त हुआ और वैश्विक व्यवस्था उदारीकरण की ओर बढ़ी। सोवियत संघ के पतन के बाद राव ने आर्थिक कूटनीति, श्रुक ईस्ट नीतिश और पश्चिमी देशों के साथ संबंध सुधारकर विदेश नीति को नए सिरे से पुनसंतुलित किया। उनके समय में भारत ने 1992 में इस्त्रायल के साथ पूर्ण कूटनीतिक संबंध स्थापित किए और राजीव गांधी द्वारा शुरू की गई चीन के साथ संबंध सुधार की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए 1993 के सीमा शांति समझौता किया। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भी यही परंपरा दिखाई देती है। वैचारिक भिन्नता के बावजूद उन्होंने विदेश नीति में नेहरूजी की परंपरा के अनुरूप समावेशी और संतुलित दृष्टिकोण अपनाया। परमाणु परीक्षणों के बाद उन्होंने अमेरिका के साथ संबंधों को पुनसंतुलित किया, साथ ही पाकिस्तान और चीन के साथ संवाद बनाए रखा। डॉक्टर मनमोहन सिंह की विदेश नीति ने भारत को विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित किया। उन्होंने न केवल अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु समझौता किया, बल्कि श्रुक ईस्टश नीति को दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों तक विस्तार देकर और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर विकासशील देशों के हितों की रक्षा कर दीर्घकालिक नैतिकता और व्यावहारिकता प्रदर्शित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय विदेश नीति में बहु-संरेखण और वैश्विक मंचों पर सक्रिय कूटनीतिक उपस्थिति प्रमुख विशेषताएँ बनकर उभरी हैं। भारत श्वैश्विक दक्षिणश की आवाज के रूप में लंबे समय से देखा जाता रहा हैकृहसकी नींव नेहरू युग के बांडुंग (इंडोनेशिया) सम्मेलन से पड़ी, जिसे मोदी सरकार ने विभिन्न रूपों में आगे बढ़ाया। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने रूसी तेल खरीदकर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की और साथ ही शांति प्रयासों का समर्थन करते हुए व्यावहारिक कूटनीति से आर्थिक लाभ भी अर्जित किया। लेकिन बार-बार बदलती कूटनीतिक प्राथमिकताएँ हमारी दीर्घकालिक रणनीति को लेकर अनिश्चितता की धारणा उत्पन्न करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति में प्रारम्भ में व्यक्तिगत समीकरण बनाने, परंतु प्रतिकूल परिस्थितियों में संवाद की निरंतरता बनाए रखने में संकोच की प्रवृत्ति दिखती है। शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक निकटता के बावजूद सीमा तनाव के बाद शीर्ष स्तर पर संवाद ठहर गया, और डोनाल्ड ट्रम्प के साथ व्यापारिक मतभेदों के दौरान प्रत्यक्ष संवाद से परहेज भी देखा गया। यह शैली अल्पकाल में तनाव टाल सकती है, किंतु दीर्घकाल में नीति की निरंतरता और विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाती है। पश्चिम एशिया में हाल के संकट ने इस चुनौती को और स्पष्ट किया है। ईरान-इजराइल-अमेरिका तनाव के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही बाधित होने से भारत के कई ऊर्जा-वाहक जहाज प्रभावित हुए। भारत के कूटनीतिक प्रयासों के चलते ईरान ने कुछ भारतीय जहाजों को अस्थायी सुरक्षित मार्ग दिया। ऊर्जा आयात सुनिश्चित करने के लिए भारत ने रूस समेत 41 देशों के साथ सहयोग मजबूत किया है, किंतु विश्लेषक मानते हैं कि दीर्घकालिक रणनीति और समयबद्ध प्रयास अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। संकट के चलते अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है, विदेशी मुद्रा भंडार पर बोझ बढ़ा है, चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका है तथा खाड़ी क्षेत्र में रह रहे लगभग 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा गंभीर चिंता बन गई है। हालांकि प्रधानमंत्री ने संसद को स्थिति से अवगत कराया, किंतु ट्रंप के पाँच दिवसीय युद्धविराम, पाकिस्तान-तुर्की-मिस्र की मध्यस्थता, संघर्ष की जड़ तथा ईरान के साथ हुई बातचीत के ठोस परिणाम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपेक्षित स्पष्टता नहीं दिखी। चीन जैसी महाशक्ति के प्रत्यक्ष पड़ोसी होने से भारत पर बहुस्तरीय दबाव बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के भाषण से यह आभास होता है कि भारत अब पूर्ण तटस्थता की बजाय इजराइल और अमेरिका के साथ अधिक निकट समन्वय की ओर बढ़ रहा है।

बड़े बैंक, नैतिकता और मूल्यों पर बड़े सवाल

जगदीश रत्तनानी

किसी बड़े बैंक के चेयरमैन का अचानक इस्तीफा देना साधारण बात नहीं है, खासकर जब उस बैंक को श्इतना बड़ा कि फेल नहीं हो सकता की श्रेणी में रखा गया हो। और भी ज्यादा असामान्य बात यह है कि इस्तीफे के साथ ऐसा पत्र भेजा जाए जो बैंक के मूल्यों और नैतिकता पर सवाल खड़े करता हो लेकिन लगभग पांच वर्षों तक एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन रहे अतानु चक्रवर्ती ने इस महीने की शुरूआत में ठीक यही किया जिससे बाजार, रेगुलेटर और बैंक मैनेजमेंट सभी हिल गए। उन्होंने लिखा-बैंक के भीतर पिछले दो सालों में मैंने जो कुछ घटनाएं और तौर-तरीके देखे हैं, वे मेरे निजी मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। एसेट्स और मार्केट कैप के मामले में एचडीएफसी भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर बैंक है। उदारीकरण के बाद के भारत में खुदरा बैंकिंग परिवर्तन का यह पोस्टर बॉय है। यह एक झटका पूरे बैंकिंग क्षेत्र को हिला सकता है और व्यापक वित्तीय स्थिरता के बारे में सवाल उठा सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने श्मजबूत वित्तीय व पेशेवर रूप से संचालित बोर्ड और सक्षम प्रबंधन टीम का हवाला देते हुए बैंक को क्लीन चिट देने में जल्दबाजी की है। समय पर दिया गया यह आश्वासन बाजारों को शांत करता है। परिणामस्वरूप बैंक की सुशासन की प्रतिष्ठा और मूल्यांकन में विश्वास प्रीमियम को भी दशार्ता है। फिर भी, जैसा कि इस्तीफे के एक दिन बाद विश्लेषकों के कॉल में पूछे गए सवालों से स्पष्ट था, चिंताएं बनी हुई हैं। हालांकि पूरी जांच के अभाव में बैंक में संभावित मुद्दों के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी

लेकिन यह मामला एक बार फिर इस बात पर प्रकाश डालता है कि नैतिकता और सुशासन के मुद्दों पर दशकों से बनी प्रतिष्ठा कुछ ही समय में बुरी तरह क्षतिग्रस्त या टूट सकती है। इस क्षेत्र में एचडीएफसी की प्रमुख स्थिति उदारीकृत अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की दक्षता के सकारात्मक पहलुओं को दशार्ती है लेकिन इसी प्रमुखता की वजह से बैंक पर और ज्यादा बारीकी से नजर रखने की जरूरत है और इस पर यह जिम्मेदारी भी आ जाती है कि वह पूरी पारदर्शिता के साथ इस बात पर चर्चा करे कि ऐसी चुनौतियां कैसे पैदा होती हैं तथा उनसे कैसे निपटा जा सकता है। इस लिहाज से यह एक निर्णायक मोड़ है जिसके बैंक पर तत्काल प्रभाव पड़ेंगे और मध्यम व दीर्घकालिक रूप से यह पूरे भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अपने घेरे में ले लेगा। यह सच है कि एचडीएफसी की साख को पहले ही नुकसान पहुंच चुका है। इसी वजह से कुछ लोगों का कहना है कि चेयरमैन को अपनी चिंताएं साफ-साफ और विस्तार से बतानी चाहिए थीं, न कि सिर्फ अस्पष्ट इशारे करके चले जाना चाहिए था। इस बात में दम है, लेकिन निवर्तमान चेयरमैन के इस कदम का एक और भी बड़ा पहलू यह है कि उन्होंने बेझिझक होकर अपनी चिंताएं लिखित रूप में जाहिर कीं। इस तरह उन्होंने बैंक के कामकाज के कुछ पहलुओं पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर किया- खासकर ऐसे माहौल में, जहां इस तरह के मुद्दों पर आम तौर पर खुलकर चर्चा नहीं होती। इसके अलावा एचडीएफसी के मामले को एक व्यापक नजरिए से और प्रशासन-प्रणाली के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। ये प्रणालियां भले ही बेहतर हो रही हैं लेकिन अभी भी उनमें सुधार की काफी गुंजाइश है। यह बात बोर्ड स्तर पर विशेष रूप से लागू होती है जहां डायरेक्टर लोग उतने सवाल नहीं उठाते जितने उन्हें उठाने चाहिए, जहां मतभेद या असहमति को आम तौर पर स्वीकार नहीं किया जाता और जहां मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के बजाय उन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। यह बात ध्यान देने लायक है कि चेयरमैन के इस्तीफे के तुरंत बाद (उससे पहले नहीं) बैंक ने तीन वरिष्ठ कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। खबरों के मुताबिक इन कर्मचारियों को दुबई में बॉन्ड की श्गलत बिक्रीश में उनकी भूमिका के कारण हटाया गया था। मोटे तौर पर घोटालों की एक के बाद एक घटनाओं से भारतीय बैंकों की साख प्रभावित हुई है। इनमें सबसे ताजा और चौंकाने वाला मामला आईएफडीसी फर्स्ट बैंक का है। इस बैंक के कर्मचारियों पर आरोप है कि उन्होंने सामूहिक साजिश रची और हरियाणा सरकार के खाते में 583 करोड़ रुपये का भारी-भरकम घोटाला कर दिया। बैंक ने धोखाधड़ी की पूरी रकम चुका दी है और अब यह मामला सुर्खियों से गायब हो चुका है। इस पर शायद ही कोई सवाल उठाया गया है कि ऐसी धोखाधड़ी की योजना कैसे बनाई गई और उसे किस तरह अंजाम दिया गया।

फुलवारी में पलता बचपन

बाबा मायाराम

फुलवारी की सब्जी बाड़ी से कई फायदे सामने आ रहे हैं। एक दो बच्चों के पोषण आहार में हरी ताजी सब्जियां शामिल हुई हैं। दूसरी रासायनिक खेती की जगह जैविक तरीके से सब्जियां उगाई जा रही हैं, जो मिट्टी पानी व पर्यावरण के संरक्षण के लिए जरूरी हैं। लुप्त होते देसी बीजों से सब्जियों उगाई जा रही हैं, जिससे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन हो रहा है। गांवों में सब्जी बाड़ी की परंपरा को फिर से पुनर्जीवित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में जन स्वास्थ्य के काम की देश-दुनिया में काफी चर्चा है। यह पहल बिलासपुर के पास गनियारी में चल रही है। करीब ढाई दशक से चलने वाली इस पहल को देखने-समझने में मैं लम्बे अरसे से जाता रहा हूं। यहां न केवल मरीजों का सबसे अच्छा व कम कीमत में इलाज होता है, बल्कि रोगों की रोकथाम के लिए कोशिश भी होती है। इसके लिए प्राकृतिक खेती से लेकर पशु स्वास्थ्य का प्रेरणादायक काम हो रहा है, साथ ही महिला समूहों के साथ मिलकर आजीविका व आमदनी बढ़ाने की कोशिशें भी जारी हैं। फिलहाल में यहां छोटे बच्चों के लिए फुलवारी नामक एक कार्यक्रम के बारे में बताना चाहूंगा, जो बहुत ही अनूठा है। जिसमें गांव के छोटे बच्चों के लिए एक झूलाघर की तरह उन बच्चों की देखभाल की जाती है। फुलवारी एक तरह का झूलाघर है, जिसे बिलासपुर जिले में कार्यरत जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था संचालित करती है। यह संस्था करीब ढाई दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत है। संस्था का गनियारी स्थित अस्पताल है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में तीन स्वास्थ्य उपकेन्द्र हैं। इसके साथ ही 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए गांवों में फुलवारी केन्द्र चलाए जा रहे हैं। बिलासपुर जिला बहुत पिछड़ा और गरीब माना जाता है। यहां के लोग पलायन कर दूर-दूर तक काम करने के लिए जाते रहे हैं। बिलासपुरिया नाम से मशहूर इन लोगों को कड़ी मेहनत के बावजूद भी दो वक्त की रोटी नसीब नहीं होती। ऐसे कठिन समय में बच्चों की उचित देखभाल और आहार के प्रति ध्यान देना मुश्किल है। फुलवारी (झूलाघर) में सब्जी बाड़ी में इससे मदद मिल रही है। फुलवारी का शाब्दिक अर्थ भी फूलों की बगिया होता है। इन फुलवारी केन्द्रों में इस अवधि में स्वादिष्ट, गरम पतले और मुलायम भोजन के साथ बच्चों का खास ध्यान रखने की भी जरूरत होती है। इस सबके मद्देनजर जन स्वास्थ्य सहयोग ने वर्ष 2006 से फुलवारी नामक कार्यक्रम चलाया है जिसमें गांव के 6 माह से लेकर 3 साल तक के बच्चों को रखा जाता है। जहां उन्हें पका पकाया खाना खिलाया जाता है। एक फुलवारी में 10 बच्चों के लिए एक महिला कार्यकर्ता होती है और 10 से ज्यादा बच्चे हुए तो दो महिला कार्यकताओं की नियुक्ति होती है। अब इन्ही कार्यकताओं के द्वारा सब्जी बाड़ी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। करहीकछार की महिला कार्यकताओं ने बताया कि फुलवारी में सब्जी बाड़ी (किचिन गार्डन) लगाई है। जिसमें पालक भाजी, लाल भाजी, मुगलानी भाजी, मैंथी, धनिया, भटा, टमाटर और मिर्ची लगी है। हरी भाजियों को दाल-चावल की खिचड़ी के साथ पकाकर बच्चों को खिलाते हैं। इसे पोषण आहार में शामिल किया जाता है। उन्होंने बताया कि अब गांव पहले भी बाड़ी की परंपरा थी, जिसमें कई कारणों से कमी आ रही थी, लेकिन अब नियमित रूप लोगों ने बाड़ी पर ध्यान देना शुरू किया है। उन्होंने खुद उनके घर में सब्जी बाड़ी लगाई थी। जिन्हें बेचकर अच्छी आमदनी भी हुई। उनकी सब्जी बाड़ी में बोहार भाजी, कांदा भाजी, जाल भाजी, पालक भाजी, कांदा भाजी लगी थी। वैसे भी छत्तीसगढ़ में हरी भाजियों की बहुतायत होती है। यहां जंगल व गांव के आसपास भी कई प्रकार की हरी पत्तीदार भाजियां मिलती हैं। इसके साथ, उनकी बाड़ी में आलू, प्याज, तिवड़ा और बटरा भी था। इसके अलावा, उन्होंने बाड़ी में फलदार पेड़ भी लगाए हैं- जैसे अमरूद, अनार, आम, केला, नींबू, पपीता, नारियल, कटहल इत्यादि। उन्होंने बताया कि वे देसी बीजों से सब्जी उत्पादन करते हैं। अपनी फसलों से खुद बीज बचाकर रखते हैं और उगाते हैं। इसके साथ ही पूरी तरह जैविक तरीके से सब्जी खेती करते हैं। इसमें किसी भी प्रकार का रासायनिक खाद व जहरीले कीटनाशकों का उपयोग नहीं करते हैं। गाय के गोबर खाद को डालते हैं। और कीट लगने पर राख व पके हुए चावल के पानी का छिड़काव करते हैं। संस्था ने लघु गोबर गैस प्लांट को भी प्रोत्साहित किया है। शुरूआत में संस्था के परिसर व बम्हनी नामक गांव में इस प्लांट को लगाया है। इसमें संस्था के परिसर का प्लांट मैंने देखा था। इस प्लांट में मवेशियों के गोबर से उपयोग से रसोई गैस चलती है। इससे जो जैव खाद बनती है, उसे वे किचिन गार्डन व खेतों में उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इस प्लांट की लागत भी 7-8 हजार रूपए है, इसे सरलता से बनाया जा सकता है। इसके अलावा, पशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए भी संस्था की तरफ से विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे गोबर खाद भी मिलती है। और इसे किचिन गार्डन में इस्तेमाल किया जाता है।

योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि, मिला प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। योगी सरकार ने जल संसाधन प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए देशभर में अपनी साख को और मजबूत किया है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को नई दिल्ली में आयोजित 106वें स्कॉच शिखर सम्मेलन स्कॉच समिट में प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान दो प्रमुख कार्यों महाकुम्भ-25 के दौरान गंगा की धाराओं के सफल चौनलाइजेशन और जल प्रबंधन में नवाचार के लिए प्रदान किया गया । प्रतिष्ठित पुरस्कार सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता उपेंद्र सिंह ने प्राप्त किया। प्रमुख सचिव सिंचाई अनिल गर्ग ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप महाकुम्भ-25 में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को अमृत स्नान कराने के लिए गंगा की धाराओं के चौनलाइजेशन के निर्देश दिए गये थे। गंगा की धाराओं का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे सिंचाई विभाग ने सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसने प्रदेश की कार्यकुशलता और बड़े आयोजनों को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने की क्षमता का भी प्रदर्शन किया।

फैटी लिवर के शिकार लोगों के लिए अच्छी खबर, रिसर्च में पता चला इसे ठीक करने का आसान तरीका

फैटी लिवर की बीमारी दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही है, ये उन लोगों को भी अपना शिकार बना रही है जो शराब नहीं पीते हैं। एक नई स्टडी से विशेषज्ञों की टीम ने एक आम न्यूट्रिशन को फैटी लिवर बीमारी में काफी असरदार पाया है। आइए इस बारे में विस्तार से जान लेते हैं। लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी ने शरीर के जिन अंगों को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है, लिवर उनमें से एक है। लिवर हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूरी अंगों में से एक है जो 500 से ज्यादा काम करता है। लिवर शरीर का मुख्य डिटॉक्सिफायर होने के साथ मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाने में मदद करता है, ऐसे में अगर इस अंग में कोई समस्या हो जाए तो पूरे शरीर पर इसका बुरा असर हो सकता है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है दुनियाभर में फैटी लिवर यानी लिवर में फैट बढ़ने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को इसका शिकार पाया जा रहा है। लिवर को वैसे तो सबसे ज्यादा नुकसान शराब की वजह से होता है, पर फैटी लिवर का खतरा उन लोगों में भी काफी ज्यादा देखा जा रहा है जो शराब नहीं पीते हैं। इसे नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) कहा जाता है। भारत में हर 10 में से लगभग 3-4 लोगों को एनएएफएलडी हो सकता है। अगर आपको भी किसी भी तरह का फैटी लिवर है तो आपके लिए अच्छी खबर है, विशेषज्ञों ने इससे निजात पाने का एक असरदार तरीका ढूंढ लिया है।

फैटी लिवर रोग में 'माइक्रोआरएनए-93' का रोल

दुनियभार में तेजी से बढ़ती फैटी लिवर की समस्या से कैसे निजात पाया जा सकता है, इसे समझने के लिए दक्षिण कोरिया के उल्सान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकताओं ने अध्ययन किया। शोधकताओं ने पाया कि 'माइक्रोआरएनए-93' नाम का एक छोटा सा मॉलिक्यूल इस बीमारी में एक अहम भूमिका निभाता है।

माइक्रोआरएनए बहुत छोटे मॉलिक्यूल होते हैं जो यह नियंत्रित करते हैं कि जीन कैसे काम करते हैं?

फैटी लिवर की बीमारी से पीड़ित लोगों में ट्र१-93 का स्तर काफी ज्यादा पाया जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस समस्या के शिकार लोगों के लिए एक आम न्यूट्रिशन- विटामिन बी3 काफी फायदेमंद हो सकता है।

(जिस बीमारी के कारण पूर्व क्रिकेटर को हुआ था कोमा, अब कई देशों में तेजी से बढ़ रहे हैं इसके मामले)

अध्ययन में क्या पता चला?

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि दुनिया की करीब 30% आबादी लिवर की इस समस्या का शिकार है। मेटाबॉलिज्म जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की रिपोर्ट में शोधकताओं ने बताया कि आहार में अगर विटामिन-बी3 वाली चीजों का मात्रा बढ़ा ली जाए तो इस समस्या से काफी आराम पाया जा सकता है।

अध्ययन में पाया गया है कि फ93 मुख्यरूप से रक्माळ1 नाम के एक फायदेमंद जीन को रोककर लिवर की सेहत के लिए दिक्कतें बढ़ाता है।

लिवर फैट को कैसे प्रोसेस करता है, इसमें रक्माळ1 जीन की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है।

जब रक्माळ1 सही से काम नहीं कर पाता है, तो लिवर में फैट जमा होने लगता है। इससे सूजन, घाव और लिवर के काम करने की क्षमता में कमी आ जाती है।

विटामिन बी-3 से फैटी लिवर में मिल सकता है आराम

फैटी लिवर की समस्या को कम करने के लिए वैज्ञानिकों ने जीन-एडिटिंग तकनीकों का इस्तेमाल करके चूहों में फ93 का लेवल कम किया। नतीजे काफी अच्छे रहे, समय के साथचूहों के लिवर में फैट कम होता गया, इंसुलिन सेंसिटिविटी बेहतर हुई और लिवर की सेहत में सुधार आया। दूसरी ओर फ93 का लेवल ज्यादा होने पर स्थिति और भी खराब हो गई।

हार्ट अटैक आने से पहले शरीर देने लगते हैं खतरे के 5 संकेत, समय रहते कर लें ध्यान

अधिकतर लोग सोचते हैं कि दिल का दौरा बिना किसी चेतावनी के अचानक पड़ता है, जबकि हकीकत यह है कि शरीर पहले से ही कई संकेत देने लगता है। दुर्भाग्य से लोग अक्सर इन शुरूआती लक्षणों को समझ नहीं पाते और अनदेखा कर देते हैं। यदि इन संकेतों पर समय रहते ध्यान दे दिया जाए तो बड़ी दुर्घटना से बचा जा सकता है। आइए जानते हैं कि हार्ट अटैक से पहले शरीर कौन-कौन से लक्षण दिखाना शुरू करता है।

वैसे एक रिसर्च में पाया गया है कि सबसे ज्यादा हार्ट अटैक सर्दियों के मौसम में पड़ते हैं। अक्सर हार्ट अटैक अचानक और बिना चेतावनी वाली घटना मानी जाती है, हालांकि, यह धारणा पूरी तरह से ठीक नहीं। हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि हार्ट अटैक आने से पहले शरीर कई संकेत देता है, जिन्हें लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। अगर आप इन लक्षणों को सही समय पर पहचान लें, तो जान बचाई जा सकती है। वैसे इस तरह के संकेत काफी मामूली होते हैं, लेकिन इनकी अनदेखी जानलेवा मानी जाती है। आइए जानते हैं हार्ट अटैक से पहले शरीर कैसे संकेत देना शुरू करता है।

काम करते वक्त सांस फूलना

अगर आपको चलने, सीढ़ियां चढ़ने या हल्की-फुल्की सफाई करते समय जल्दी-जल्दी सांस चढ़ने लगे, तो यह दिल की कार्यक्षमता घटने का संकेत हो सकता है। दिल जब पर्याप्त ताकत से खून नहीं पंप कर पाता, तो फेफड़ों को मिलने वाली ऑक्सीजन कम हो जाती है जिसके कारण सांस लेने में परेशानी महसूस होती है। इस स्थिति को डिस्प्निया कहा जाता है और यह हार्ट फेल्योर या कोरोनरी आर्टरी डिजीज का शुरूआती लक्षण भी हो सकता है।

सोने में दर्द, दबाव या बेचैनी महसूस करना

हार्ट अटैक का यह सबसे आम लक्षण है, हालांकि इसे हमेशा तेज दर्द के रुप में अनुभव किया जाता है। कई बार सीने में भारीपन, जलन, कसाव या दबाव जैसा महसूस होता है। यह दर्द कभी-कभी बाएं हाथ, जबड़े, गर्दन या पीठ तक फैलता है। यह आराम करने पर कम हो सकता है और शारीरिक या भावनात्मक तनाव में बढ़ सकता है। इसको आप नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं।

चक्कर आना, बेहोशी या धड़कनों का तेज होना

यदि आपको बिना किसी कारण से चक्कर आना, सिर हल्का होना या बेहोश हो जाना इस बात का संकेत है कि दिमाग तक सही मात्रा में ब्लड नहीं पहुंच पा रहा है। अगर धड़कने अचानक से तेज हो जाए, धीमा या अनियमित हो जाना भी हार्ट की एलेक्ट्रिक रिदम में गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। यह लक्षण एरिथमिया से जुड़ा हुआ हो सकता है। असामान्य कमजोरी या थकान अगर बिना कोई भारी काम किए ही लगातार थकान या कमजोरी महसूस होने लगे, खासकर महिलाओं में, तो यह दिल में गड़बड़ी का संकेत हो सकता है।

त्वचा को हाइड्रेट रखने का देसी नुस्खा, घर पर बनाएं असरदार फेस सीरम, फायदे जानकर हैरान रह जाएंगे

आज हम आपको होममेड फेस सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं। फेस सीरम लगाने से हमारी स्किन हाइड्रेट और ग्लोइंग नजर आएगी। तो आइए जानते हैं आप घर पर फेस सीरम कैसे बनाएं और किस तरह से इसका चेहरे पर इस्तेमाल कर सकती हैं।

बदलते मौसम के कारण हमारी त्वचा डल और ड्राई नजर आती है। ऐसे में जरूरी होता है कि हम कुछ ऐसी घरेलू चीजों का इस्तेमाल करें, जिसको लगाने से हमारा फेस ग्लो करे। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए अधिकतर महिलाएं मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, जिसके साइड इफेक्ट भी होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड फेस सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं। फेस सीरम लगाने से हमारी स्किन हाइड्रेट और ग्लोइंग नजर आएगी। तो आइए जानते हैं आप घर पर फेस सीरम कैसे बनाएं और किस तरह से इसका चेहरे पर इस्तेमाल कर सकती हैं।

फेस सीरम लगाने के फायदे

जब चेहरा अधिक ड्राई हो जाता है, तो हम समय-समय पर फेस पर मॉइस्चराइजर क्रीम और लोशन लगाते हैं। लेकिन रोजाना सुबह-शाम चेहरे पर फेस सीरम का इस्तेमाल करेंगी, तो आपके फेस का निखार बढ़ेगा। साथ ही ड्राईनेस की वजह से सफेद दाग भी नहीं नजर आएंगे। आप फेस सीरम को घर पर रखी चीजों से तैयार कर सकती हैं। घर बनाने से इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होंगे।

ऐसे बनाएं फेस सीरम

फेस सीरम बनाने के लिए फ्रेश एलोवेरा जेल एक कटोरी में निकाल लें।

अब इसमें एक चम्मच गुलाब जल, 2-3 बूंद ग्लिसरीन की मिक्स करें।

फिर इन सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें और फेस पर अप्लाई करें।

इसको फेस पर लगाने के बाद अच्छे से मसाज करें।

इसको लगाने से आपके फेस का निखार दोगुना हो जाएगा।

फेस सीरम लगाने के बाद क्या लगाएं

चेहरे पर फेस सीरम लगाने के बाद आपको किसी भी तरह की क्रीम या फिर अन्य चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसको तब लगाना चाहिए, जब आपकी स्किन रिलैक्स हो। वहीं चेहरे पर किसी अन्य प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें। इससे आपकी त्वचा हाइड्रेट होने के लिए तैयार होती है। वहीं इसे लगाने का फायदा भी उसी समय नजर आता है।

जब भी फेस पर किसी चीज को लगाएं, तो पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें। इससे आपको स्किन पर किसी तरह की कोई समस्या नहीं होती है।

हार्श साबुन से प्राइवेट पार्ट साफ करना पड़ सकता है भारी, हो सकती है ये बीमारी

आजकल लोग साफ-सफाई का ध्यान तो रखते हैं, लेकिन कई बार गलत तरीके अपनाने से समस्या और बढ़ जाती है। खासतौर पर प्राइवेट पार्ट की सफाई के लिए हार्श या खुशबूदार साबुन का इस्तेमाल नुकसानदेह हो सकता है। इससे यूरेथ्राइटिस नाम की समस्या हो सकती है, जिसमें पेशाब की नली में सूजन आ जाती है।

यूरेथ्राइटिस क्या होता है?

यूरेथ्राइटिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें पेशाब की नली यानी यूरेथ्रा की अंदरूनी परत में सूजन और जलन हो जाती है। यूरेथ्रा वही ट्यूब होती है जो मूत्राशय से पेशाब को शरीर के बाहर निकालती है। जब इस हिस्से में इंफ्लामेशन होता है, तो व्यक्ति को पेशाब करते समय जलन, दर्द और असहजता महसूस होती है। कई बार इसमें डिस्चार्ज भी देखने को मिलता है। इसके लक्षण अक्सर यूटीआई जैसे ही होते हैं, इसलिए लोग दोनों में अंतर नहीं समझ पाते और इलाज में देरी हो जाती है।

यूरेथ्राइटिस के कारण क्या हैं?

यूरेथ्राइटिस के पीछे दो तरह के कारण होते हैं संक्रामक और गैर-संक्रामक।

संक्रामक कारण (इन्फेक्शन से जुड़े कारण)

यह समस्या अक्सर यौन संचारित संक्रमण (यूटीआई) के कारण होती है। जब कोई व्यक्ति असुरक्षित यौन संबंध बनाता है या एक से अधिक पार्टनर होते हैं, तो बैक्टीरिया और वायरस शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इनमें गोनोरिया, क्लैमाइडिया, माइकोप्लाज्मा, ट्राइकोमोनस और हर्पीस जैसे संक्रमण शामिल हैं। जिन लोगों को पहले से यूटीआई हो चुका है, उनमें यह समस्या होने की संभावना ज्यादा होती है। महिलाओं में जननांग संक्रमण भी इसका एक कारण हो सकता है।

गैर-संक्रामक कारण (गलत आदतों से होने वाली समस्या)

हर बार यूरेथ्राइटिस किसी इंफेक्शन की वजह से नहीं होता। कई बार हमारी रोजमर्रा की आदतें भी इसकी वजह बन जाती हैं। जैसे कि प्राइवेट पार्ट की सफाई के लिए हार्श या केमिकल वाले साबुन का इस्तेमाल करना, बबल बाथ लेना, डियोड्रेंट स्प्रे या खुशबूदार प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना। इसके अलावा, लंबे समय तक कैथेटर का उपयोग या यूरेथ्रा में चोट लगने से भी यह समस्या हो सकती है।

पुरुष और महिलाओं में लक्षण कैसे दिखते हैं?

यूरेथ्राइटिस के लक्षण पुरुषों और महिलाओं में थोड़े अलग हो सकते हैं, और यही वजह है कि कई बार इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है।

पुरुषों में लक्षण

पुरुषों को पेशाब करते समय तेज जलन महसूस हो सकती है। इसके साथ ही लिंग के सिरे पर खुजली या दर्द हो सकता है। कुछ मामलों में सफेद, पीला या हरा रंग का असामान्य डिस्चार्ज भी दिखाई देता है। कई पुरुषों को स्खलन के दौरान दर्द और बार-बार पेशाब आने की समस्या भी होती है।

महिलाओं में लक्षण

महिलाओं में लक्षण थोड़े हल्के होते हैं, जैसे पेशाब करते समय हल्की जलन, पेल्विक एरिया में असहजता, बार-बार पेशाब आना और कभी-कभी डिस्चार्ज। कई बार महिलाओं में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखता, जिससे यह समस्या छुपी रह जाती है और बाद में गंभीर हो सकती है।

अगर इलाज में देरी हो जाए तो क्या खतरे हैं?

यूरेथ्राइटिस को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। समय पर इलाज न मिलने पर यह कई गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है। पुरुषों में यह एपिडिडीमाइटिस (अंडकोष के पास की नली में सूजन), प्रोस्टेट की समस्या और पेशाब की नली के सिकुड़ने का कारण बन सकता है, जिससे पेशाब करने में दिक्कत होती है। वहीं महिलाओं में यह पेल्विक इंफ्लामेटरी डिजीज का कारण बन सकता है, जिससे फर्टिलिटी कम हो सकती है और एक्टोपिक प्रेगनेंसी का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, यह संक्रमण यौन साथियों में भी फैल सकता है और एचआईवी जैसे गंभीर रोगों का खतरा बढ़ा सकता है।

यूरेथ्राइटिस से बचाव कैसे करें?

इस समस्या से बचने के लिए कुछ आसान लेकिन जरूरी सावधानियां अपनाना बहुत जरूरी है। सबसे पहले, हमेशा सुरक्षित यौन संबंध बनाएं और एक से अधिक पार्टनर से बचें। समय-समय पर यूटीआई की जांच करवाना भी जरूरी है। पर्सनल हाइजीन का खास ध्यान रखें, लेकिन ध्यान रखें कि प्राइवेट पार्ट की सफाई के लिए हार्श साबुन या केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल न करें। इसके बजाय माइल्ड और बिना खुशबू वाले प्रोडक्ट्स का उपयोग करें। साथ ही, साफ और ढीले कपड़े पहनें और शरीर को साफ और सूखा रखें, ताकि बैक्टीरिया पनप न सकें। यूरेथ्राइटिस का इलाज कैसे होता है? इस बीमारी का इलाज उसके कारण पर निर्भर करता है। अगर यह बैक्टीरियल इंफेक्शन के कारण हुआ है, तो डॉक्टर एंटीबायोटिक्स देते हैं। जैसे क्लैमाइडिया में एजिथ्रोमाइसिन या डॉक्सीसाइक्लिन दी जाती है, जबकि गोनोरिया में सेफ्ट्रिएक्सोन का इस्तेमाल होता है। एक जरूरी बात यह है कि अगर यह यौन संक्रमण के कारण हुआ है, तो मरीज के साथ उसके पार्टनर का इलाज भी जरूरी है, ताकि संक्रमण दोबारा न हो। अगर यह गैर-संक्रामक कारणों से हुआ है, तो सबसे पहले उस चीज को बंद करना जरूरी है जो जलन या एलर्जी पैदा कर रही है। साथ ही ज्यादा पानी पीने और लक्षणों को कम करने के लिए दवाएं दी जाती हैं। रिकवरी के दौरान क्या ध्यान रखें? इलाज के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि जल्दी रिकवरी हो सके।

काले रंग के सब्जा बीज के फायदे और सही सेवन तरीका

गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडा और हेल्दी बनाए रखने के लिए सब्जा के बीज (बेसिल सीड्स) बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। छोटे-छोटे काले रंग के ये बीज पोषण से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इनमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं।

कैसे करें सब्जा के बीज का सही सेवन?

सबसे पहले 1/2 चम्मच सब्जा के बीज को पानी में भिगो दें

इन्हें 15/20 मिनट तक छोड़ दें

बीज फूलकर जेल जैसे हो जाएंगे

अब इन्हें पानी, नींबू पानी, दूध, स्मूदी या शर्बत में मिलाकर पी सकते हैं

ध्यान रखें: सूखे बीज सीधे न खाएं, हमेशा भिगोकर ही सेवन करें।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

सब्जा के बीज पेट के लिए बहुत अच्छे माने जाते हैं।

कब्ज, गैस और एसिडिटी से राहत दिलाते हैं

पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं

शरीर को अंदर से ठंडा रखते हैं।

वेट लॉस और डायबिटीज में मददगार

फाइबर से भरपूर होने के कारण लंबे समय तक भूख नहीं लगने देते

वजन कम करने में मदद करते हैं

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में सहायक होते हैं।

हड्डियों को बनाएं मजबूत

इन बीजों में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं, जिससे शरीर की ताकत बढ़ती है। सब्जा के बीज एक आसान और नेचुरल सुपरफूड हैं, जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। सही मात्रा और सही तरीके से सेवन करने पर ये गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी देते हैं।

घर में 2 से 12 साल की बेटी है? ये 5 बातें हर माता-पिता को जरूर जाननी चाहिए

अगर घर में 2 से 12 साल की बेटी है, तो उसकी सुरक्षा, सही परवरिश, भावनात्मक सपोर्ट, अच्छी शिक्षा और सही-गलत की समझ देना बेहद जरूरी है। माता-पिता को बच्चों के साथ खुलकर बात करनी चाहिए और उन्हें आत्मविश्वासी बनाना चाहिए। बेटियां घर की खुशियों का सबसे खूबसूरत हिस्सा होती हैं। उनसे घर में रौनक होती है। एक बेटी पिता का नाज, मां की सहेली और भाई की हमराज होती है। लेकिन बेटी की परवरिश में सिर्फ प्यार नहीं, फिक्र भी होती है। खासकर जब बेटियां बड़ी होने लगती हैं। 2 से

12 साल की उम्र बच्चों के विकास का सबसे अहम समय होता है। इस दौरान सही परवरिश, सुरक्षा और भावनात्मक सपोर्ट देना बेहद जरूरी होता है, खासकर बेटियों को। अगर आपके घर में भी छोटी बेटी है, तो 5 बातें आपको जरूर ध्यान में रखनी चाहिए। अगर आप इन 5 बातों का ध्यान रखते हैं, तो आपकी बेटी न सिर्फ सुरक्षित रहेगी बल्कि आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भी बनेगी।

सही और गलत का फर्क सिखाएं

बचपन से ही बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में समझाना बहुत जरूरी है। वैसे तो ये लड़कों को भी पता होना चाहिए लेकिन बेटियों को इन चीजों के बारे में कम उम्र से ही सिखाना शुरू कर दें। उन्हें यह सिखाएं कि कोई भी असहज स्थिति हो तो तुरंत माता-पिता को बताएं।

सुरक्षा को प्राथमिकता दें

अपनी बेटी को को अजनबियों से दूरी बनाना सिखाएं। स्कूल और बाहर जाने पर सतर्क रहने की आदत डालें। जरूरी फोन नंबर याद करवाएं। सुरक्षा जागरूकता बच्चों के आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है।

खुलकर बात करने का माहौल बनाएं

बेटी को यह महसूस कराएं कि वह आपसे हर बात शेयर कर सकती है। डर या डांट की वजह से बच्चे अक्सर बातें छुपाने लगते हैं। उन्हें लोक लाज का भय नहीं, अपनत्व की भावना सिखाएं, ताकि खुलकर बेटी अपने दिल की बात आपसे कर सकें।

शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर ध्यान दें

बेटियों को उनकी रूचि के अनुरूप उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करें। हालांकि पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें लाइफ स्किल्स भी सिखाएं। उन्हें अपने फैसले लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

आत्मविश्वास बढ़ाएं

बेटी की छोटी-छोटी उपलब्धियों की तारीफ करें। उन्हें अपने विचार रखने का मौका दें। तुलना करने से बचें। आत्मविश्वासी बच्ची भविष्य में मजबूत इंसान बनती है।

किन बातों का रखें खास ध्यान?

ध्यान रखें कि बच्चे की परवरिश में डराना नहीं, समझाने की कला होनी चाहिए। उनका सोशल मीडिया और स्क्रीन टाइम सीमित करें। साथ ही बेटी के दोस्तों और माहौल पर नजर रखें।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से निवेश को मिलेगा बड़ा बूस्ट

लखनऊ (संवाददाता)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में निवेश, उद्योग और व्यापार के नए युग की शुरूआत का संकेत दे रहा है। यह एयरपोर्ट न केवल प्रदेश की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा, बल्कि इसे राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश के मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए ह्लगेमचेंजरह्व बताते हुए कहा कि यह परियोजना निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसरों के द्वार खोलेगी ।यमुना एक्सप्रेसवे और इसके आसपास के क्षेत्रों में पहले से ही बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव आने शुरू हो चुके हैं। एयरपोर्ट के कारण यह क्षेत्र तेजी से एक औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में विकसित हो रहा है, जहां देश-विदेश की कंपनियां अपनी इकाइयां स्थापित करने में रुचि दिखा रहीं हैं। एयरपोर्ट के आसपास मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, डेटा सेंटर, एमएसएमई पार्क, हैंडीक्राफ्ट पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, अपैरल और टॉय पार्क जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में क्षेत्र में सेमीकंडक्टर यूनिट की आधारशिला रखे जाने से हाईटेक इंडस्ट्री को बढ़ावा मिला है।

मुंबई के खिलाफ क्या केकेआर दिखा पाएगी दम? चोट ने बढ़ाई मुश्किल

मुंबई। मुंबई इंडियंस और केकेआर के बीच होने वाले मैच में कोलकाता की प्लेइंग-11 पर नजरें होंगी। केकेआर की टीम सीजन की शुरूआत से पहले ही खिलाड़ियों की चोट की समस्या से जूझ रही है। उसकी गेंदबाजी कमजोर नजर आ रही है। खिलाड़ियों की चोट के कारण मुश्किल में दिख रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना रविवार को आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस से होगा। आंकड़ों और कागजों पर मुंबई की टीम बेहद मजबूत दिख रही है, लेकिन टी20 का खेल ऐसा है कि इसमें किसी एक टीम को पूरी तरह से दावेदार बताना भारी पड़ सकता है। मुंबई और केकेआर दोनों ही टीमें पिछले कई दिनों से आईपीएल के 19वें सीजन की तैयारियों में जुटी थीं और यह देखना दिलचस्प होगा कि वानखेड़े स्टेडियम पर कौन सी टीम अपने अभियान की शुरूआत जीत के साथ करती है। क्रिकेट न्यूज मुंबई इंडियंस ने 2013 से लेकर 2020 के

बीच पांच बार खिताब जीता था, लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों से चैंपियन नहीं बन पाया है। इस बार उसकी निगाह अपना छठा खिताब जीतने पर होगी और इसके लिए वह शानदार शुरूआत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। पिछले साल हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम क्वालिफायर दो में पंजाब किंग्स से हारने के बाद तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन मुंबई इंडियंस इस बार अच्छी तैयारी के साथ मैदान पर उतर रही है। क्या है मुंबई का मजबूत पक्ष रोहित शर्मा फॉर्म में वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे। रोहित के अलावा उसकी टीम में कई स्टार खिलाड़ी हैं जिनमें भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी कप्तान सूर्यकुमार यादव, पंड्या, तिलक वर्मा और जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं। मुंबई इंडियंस के पास कई शानदार विदेशी खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रेयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर, विल जैक्स, एएम गजनफर और ट्रेंट बोल्ट प्रमुख हैं। बुमराह और बोल्ट की जोड़ी खतरनाक साबित हो सकती है। शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर के रूप में मुंबई इंडियंस के पास दो अनुभवी भारतीय गेंदबाज हैं, जबकि नमन धीर एक बार फिर फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाने की कोशिश करेंगे। पिछले साल उन्होंने अपनी इस भूमिका के साथ पूरा न्याय किया था। प्लेइंग-11 का चयन मुंबई के लिए चुनौती मुंबई के लिए सबसे बड़ी चुनौती प्लेइंग-11 में उचित संयोजन तैयार करना होगा। उसकी टीम शुरूआत में कुछ मैच जीतने के लिए प्रतिबद्ध होगी क्योंकि अक्सर वह अच्छी शुरूआत करने में नाकाम रही है। मुंबई में खेलने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स में कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के रूप में कुछ स्थानीय खिलाड़ी भी नजर आएंगे लेकिन उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आता है जिसका मुंबई इंडियंस पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। केकेआर के पास विदेशी खिलाड़ियों का अच्छा पूल नीलामी के समय केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा था, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर फ्रेंचाइजी ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर कर दिया था, जबकि उसके दो भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और हर्षित राणा चोट के कारण टूनामेंट से बाहर हो गए हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी प्रतिभाशाली हैं लेकिन उन पर दबाव हो सकता है। ऐसे में गेंदबाजी विभाग की बड़ी जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती को निभानी पड़ेगी जो टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। केकेआर की टीम में सीएसके के दो पूर्व खिलाड़ी रचिन रविंद्र और मथीशा पथिराना भी शामिल हैं। टिम सीफर्ट विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर एकमात्र शुरूआती विकल्प हैं, जबकि उनके पास कैमरन ग्रीन और सुनील नरेन के रूप में दो बेहतरीन ऑलराउंडर भी मौजूद हैं। वहीं, फिन एलेन के तौर पर भी टीम के पास एक अच्छा बल्लेबाज है।

प्लेऑफ में कौन सी चार टीमें पहुंचेंगी? सात क्रिकेट पंडितों की भविष्यवाणी

बंगलूरू। सात क्रिकेट पंडितों ने प्लेऑफ को लेकर अपनी-अपनी पसंदीदा टीमें बताई हैं। सभी की चार टीमों में दो टीमें कॉमन हैं। अब यह देखना होगा कि इन सात में से किस क्रिकेट पंडित की भविष्यवाणी सच साबित होती है। हालांकि, इन सभी सात क्रिकेट पंडितों में अंबाती रायुडू की भविष्यवाणी चौंकना वाली रही है। उन्होंने सीएसके को अपना पसंदीदा नहीं बताया। आईपीएल 2026 की शुरूआत आज से होने जा रही है। पहले मैच में शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। यह मैच बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। 65 दिनों तक चलने वाले इस क्रिकेट के महाकुंभ को लेकर कयासों का दौर भी चालू हो चुका हैं। फैंस प्लेऑफ के लिए अपनी-अपनी पसंद बताने लगे हैं। इसी कड़ी में सात क्रिकेट पंडितों ने भी प्लेऑफ के लिए अपनी-अपनी पसंदीदा चार-चार टीमें चुनी हैं। इनमें मुंबई इंडियंस और आरसीबी की टीम सबमें शामिल हैं। वहीं, पंजाब भी ज्यादातर क्रिकेट पंडितों की पसंद है। जो टीम इन सातों में से किसी ने नहीं चुनीं, वो हैं- गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स। इन सात क्रिकेट पंडितों में संजय बांगड़, पीयूष चावला, अभिनव मुकुंद, इयान बिशप, फाफ डुप्लेसिस, अंबाती रायुडू और एरॉन फिंच शामिल हैं। आइए जानते हैं किस क्रिकेट पंडित ने कौन सी टीमें चुनीं हैं इनमें सबसे ज्यादा चौंकाने वाली भविष्यवाणी रायुडू की रही। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को पसंदीदा नहीं बताया है। पिछले कुछ वर्षों में रायुडू ने चेन्नई का पुरजोर समर्थन किया है। वह 2023 में चैंपियन बनने वाली सीएसके टीम का हिस्सा भी थे। सीएसके को समर्थन की वजह से वह कई बार ट्रोल भी होते रहे हैं। हालांकि, इस बार उन्होंने सीएसके को न रखकर लखनऊ को चुना है। लखनऊ सुपरजाएंट्स को प्लेऑफ के लिए दावेदार बताने वाले वह अकेले हैं। चेन्नई सुपर किंग्स को इस सीजन की शुरूआत से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी चोट के कारण शुरूआती चार मुकाबलों से बाहर हो सकते हैं। सीएसके ने अपने आधिकारिक बयान में जानकारी दी कि धोनी इस समय काफ स्ट्रेन (पिंडली की चोट) से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। टीम के बयान के मुताबिक, इसके चलते वह आईपीएल के पहले दो हफ्तों में कोई मैच खेलते नहीं दिखाई देंगे।

चैंपियन आरसीबी को रोक पाएगी हैदराबाद? सीजन ओपनर में चौके-छक्कों की बरसात तय; संभावित-11

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। दोनों टीमों की मजबूत बल्लेबाजी

को देखते हुए यह मैच हाई-स्कोरिंग और रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है। आईपीएल 2026 का आगाज शनिवार से होने जा रहा है, और पहले ही मुकाबले में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से होगा। यह मैच बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। कई वर्षों के इंतजार के बाद आरसीबी ने अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था, और अब टीम उसी आत्मविश्वास के साथ नए सीजन की शुरूआत करना चाहेगी। आरसीबी कितनी मजबूत? इस सीजन में आरसीबी की बल्लेबाजी काफी मजबूत दिख रही है। ओपनिंग में विराट कोहली और फिल सॉल्ट उतर सकते हैं। मिडिल ऑर्डर में कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल अहम भूमिका निभाएंगे। फिनिशिंग की जिम्मेदारी टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड पर होगी। गेंदबाजी में जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पांड्या पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पंड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा। हैदराबाद को खलेगी कमिंस की कमी? वहीं, पिछला सीजन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अच्छा नहीं रहा था और टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर रही थी। इस बार टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरूआती चरण में टीम में नहीं होंगे। ईशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। ओपनिंग में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा तेज शुरूआत देने की कोशिश करेंगे। मिडिल ऑर्डर में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि लियाम लिविंगस्टोन निचले क्रम में ताकत बढ़ाएंगे। कैसी रहेगी पिच? एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच टी20 मैचों के लिए बल्लेबाजों के लिए बेहद अनुकूल मानी जाती है। यहां की छोटी बाउंड्री और फ्लैट विकेट बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका देती है। तेज गेंदबाजों को यहां काफी समझदारी से गेंदबाजी करनी होगी, जबकि स्पिनर्स को गेंद को रोककर और टर्न दिलाकर असर दिखाना होगा। पिछले साल हुई भगदड़ की कसक अब भी बरकरार! इस मैच से पहले माहौल थोड़ा गंभीर बना हुआ है। दरअसल, पिछले साल चार जून को आरसीबी की खिताबी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आरसीबी प्रबंधन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति को बनाए रखने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। केएससीए ने स्टेडियम में 11 सीटें स्थायी रूप से खाली छोड़ने की घोषणा की है। इस स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए राज्य सरकार से अनुमति मिलने से पहले कई अनिश्चित महीनों का सामना करना पड़ा था। आरसीबी के खिलाड़ी पहले मैच के दिन अभ्यास सत्र के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11 रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः फिल सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जैकब डफी। सनराइजर्स हैदराबादः हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन (कप्तान), अनमोलप्रीत वर्मा, ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, लियाम लिविंगस्टोन, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ब्रायडन कार्स, शिवम मावी।

आईपीएल के 19वें सीजन की शनिवार से शुरूआत, सात नहीं इतने बजे से शुरू होगा मैच

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के पहले मैच में आरसीबी का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। दोनों ही टीमें जीत के साथ शुरूआत करना चाहेंगी। आइए जानते हैं कि दर्शक कब और कहां ये मुकाबला देख सकेंगे... आईपीएल 2026 सीजन की शनिवार से शुरूआत होने जा रही है। पहला मुकाबला गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। ये मैच बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी अपना खिताब बचाने के लिए प्रतिबद्ध होगा, जबकि हैदराबाद भी जीत से शुरूआत करने के लिए बेताब रहेगा। दोनों टीमों के बाद गेंदबाजी विकल्प की कमी आरसीबी और सनराइजर्स दोनों के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी है। आरसीबी को जोश हेजलवुड और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के बिना खेलना होगा। दोनों ने 2025 के विजयी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इस वर्ष वे अधिकतर मैचों में बाहर रहेंगे। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पांड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा। कोहली पर नजरें, कमिंस के बिना उतरेगी सनराइजर्स सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरूआती चरण में टीम में नहीं होंगे। ईशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। लेकिन सनराइजर्स के बैकअप विकल्प ज्यादा भरोसेमंद नहीं लगते। ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल और हर्ष दुबे को सपाट पिचों पर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। दोनों टीमें अपनी गेंदबाजी की कमजोरी का बल्लेबाजी से भरपाई करना चाहेंगी। आरसीबी के पास विराट कोहली, टिम डेविड, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, कप्तान रजत पाटीदार, रोमारियो शेफर्ड जैसे बल्लेबाज हैं जबकि सनराइजर्स के पास भी ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, किशन और हेनरिक क्लासेन के रूप में धाकड़ बल्लेबाज हैं। आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2026 का मैच कब खेला जाएगा? आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2026 का मैच 28 मार्च यानी शनिवार को खेला जाएगा। आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2026 का मैच कहां खेला जाएगा? आरसीबी और

सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2026 का मैच बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2026 का मैच कितने बजे से खेला जाएगा? आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2026 का मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 7:00 बजे होगा। आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2026 का मैच कहां देख पाएंगे? आईपीएल 2026 के प्रसारण अधिकार स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चैनलों पर देख सकेंगे। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी। आप अें१४"ू्ड्ढ पर भी मैच के लाइव अपडेट्स पढ़ सकते हैं।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी! तीन क्रिकेटरों के बाद अब एक कमेंटेटर भी पीएसएल छोड़कर आईपीएल से जुड़ेगा

बंगलूरू। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल 2026) का आयोजन एक ही अवधि में हो रहा है, लेकिन जब बात क्षमता, कमाई, लोकप्रियता और प्रभाव की आती है तो आईपीएल और पीएसएल में जमीन-आसमान का फर्क है। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 की एक बार फिर किरकिरी हुई है। गुरुवार से शुरू हुई इस लीग को पहले ही बंद दरवाजे के पीछे खेला जा रहा है। साथ ही खिलाड़ियों के लीग को छोड़कर आईपीएल के साथ जुड़ने का दौर भी जारी है। इसी कड़ी में अब एक कमेंटेटर भी तत्काल पीएसएल छोड़कर आईपीएल से जुड़ेगा। इन घटनाओं ने दिखा दिया है कि पीएसएल आईपीएल के आगे

कहीं नहीं टिकता और पाकिस्तान चाहे कितना भी अपनी लीग को प्रमोट कर ले, लेकिन खिलाड़ी या अधिकारी अब भी खुद को वहां सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहे। पीसीबी को शर्मनाक स्थिति में डाला इस पूरे घटनाक्रम ने मोहसिन नकवी की अगुआई वाले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) को असहज और शर्मनाक स्थिति में डाल दिया है। नकवी ने उन खिलाड़ियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी भी दी है, जिन्होंने पीएसएल छोड़कर आईपीएल का रुख किया। इनमें ब्लेसिंग मुजरबानी (केकेआर से जुड़े), स्पेंसर जॉनसन (सीएसके से जुड़े) और दासुन शनाका (राजस्थान से जुड़े) शामिल हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'हां, दो से तीन खिलाड़ी भी लीग छोड़ चुके हैं। हम उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की योजना बना रहे हैं।' कमेंटेटर भी छोड़ रहे लीग अब मामला सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कमेंटेटर्स भी पीएसएल छोड़कर आईपीएल की ओर जाते दिख रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर निक नाइट का नाम कुछ दिन पहले पीएसएल के कमेंट्री पैनल में शामिल किया गया था। अब उनका नाम स्टार स्पोर्ट्स के आईपीएल कमेंट्री पैनल में भी जुड़ गया है। यानी खिलाड़ियों के बाद अब कमेंट्री बॉक्स में भी आईपीएल, पीएसएल पर भारी पड़ता दिख रहा है। खिलाड़ियों और कमेंटेटर्स का अनुबंध के बावजूद पीएसएल छोड़ना और आईपीएल को प्राथमिकता देना इस बात का सबूत है कि खेल के हर पहलू में पाकिस्तान सुपर लीग भारतीय लीग से पीछे है।

केकेआर और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए 35 आईपीएल मुकाबले, जानिए किस टीम का पलड़ा रहा है भारी

मुंबई। मुंबई इंडियंस और केकेआर के बीच आईपीएल 2026 में रविवार को मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमें आईपीएल में कुल 35 बार एक दूसरे के खिलाफ खेल चुकी हैं। आइए जानते हैं किस टीम का पलड़ा भारी है... पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच के साथ आईपीएल 2026 में अपने अभियान की शुरूआत करेगी। दोनों टीमों के बीच अब तक 35 मैच खेले गए हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस का पलड़ा भारी रहा है। मुंबई इंडियंस ने इस टीम के विरुद्ध 24 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि केकेआर सिर्फ 11 ही मैच जीत सकी है। मुंबई का रहा है दबदबा मुंबई इंडियंस ने केकेआर के खिलाफ साल 2008 और 2009 में खेले गए सभी चार मैच अपने नाम किए थे। इसके बाद साल 2010 में मुंबई इंडियंस को दो में से एक मैच में हार का सामना करना पड़ा। साल 2011 में दोनों ही मुकाबले मुंबई इंडियंस ने जीते। साल 2012 में मुंबई इंडियंस को एक हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक मुकाबले में जीत दर्ज की। साल 2013 में मुंबई इंडियंस ने दोनों मुकाबलों को अपने नाम किया। साल 2014 और 2015 में दोनों टीमें चार मुकाबलों में आमने-सामने रहीं, जिसमें केकेआर ने तीन मैच अपने नाम किए। दोनों टीमों ने जीते कितने खिताब? साल 2016 से 2018 के बीच मुंबई इंडियंस ने सभी सात मैच जीते। साल 2019 उसे केकेआर के खिलाफ दो में से एक मुकाबला गंवाना पड़ा। साल 2020 में इस टीम ने दोनों मैच अपने नाम किए। साल 2021 में दोनों टीमों के बीच 1-1 से बराबरी रहीं। पिछले चार सीजन को देखें, तो दोनों टीमों ने कुल छह मैच खेले, जिसमें चार मुकाबले केकेआर के नाम रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने पांच आईपीएल खिताब अपने नाम किए हैं। इस टीम ने साल 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 का सीजन जीता था। वहीं, केकेआर तीन बार (2012, 2014 और 2024) इस ट्रॉफी को अपने नाम कर चुकी है। दोनों टीमें: मुंबई इंडियंसः रॉबिन मिंज, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रेयान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या (कप्तान), राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, मिचेल सैंटनर, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डिकॉक, एएम गजनफर, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद सलाउद्दीन इजहार।

दो विकेट लेते ही इतिहास रचेंगे भुवनेश्वर, ऐसा करने वाले पहले तेज गेंदबाज होंगे

बंगलूरू। भुवनेश्वर कुमार 2026 में सिर्फ 2 विकेट लेते ही इतिहास रच सकते हैं और 200 विकेट तक पहुंचने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। मौजूदा आंकड़ों में वह 198 विकेट पर हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह उनसे काफी पीछे हैं, जिससे उनका रिकॉर्ड और खास बन जाता है। आईपीएल के 19वें सीजन (आईपीएल 2026) का धमाकेदार आगाज शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच खेले जाने वाले मैच से होगा। मुकाबला आरसीबी के होम ग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के पास इस मैच इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। सनराइजर्स के खिलाफ रिकॉर्ड बनाने का मौका एसआरएच के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दो विकेट लेते ही भुवनेश्वर कुमार के आईपीएल करियर में 200 विकेट पूरे हो जाएंगे। ऐसा करते ही भुवी आईपीएल के इतिहास में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बनेंगे, वहीं ओवरऑल दूसरे गेंदबाज होंगे। आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड युजवेंद्र चहल के नाम है। चहल ने अपनी बेहतरीन लेग स्पिन की बदौलत 2013 से 2025 के बीच खेले 174 मैचों की 172 पारियों में 221 विकेट लिए हैं। चहल पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं। शीर्ष पांच सर्वाधिक विकेट वालों में कौन-कौन भुवनेश्वर कुमार आईपीएल इतिहास के दूसरे सफलतम गेंदबाज हैं। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2011 से 2025 के बीच 190 मैचों की 190 पारियों में 198 विकेट लिए हैं। केकेआर के स्पिनर सुनील नरेन तीसरे स्थान पर हैं। 2012 से 2025 के बीच नरेन ने 189 मैचों की 187 पारियों में 192 विकेट लिए हैं। नरेन के पास भी इस सीजन 200 विकेट पूरे करने का मौका है। पीयूष चावला ने 2008 से 2024 के बीच 192 मैचों की 191 पारियों में 192 विकेट लिए हैं। पीयूष अब आईपीएल का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, अश्विन 187 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर हैं। अश्विन भी आईपीएल से संन्यास ले चुके हैं। बुमराह छठे स्थान पर आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में भुवनेश्वर अकेले तेज गेंदबाज हैं।

बांग्लादेश की अक्ल आई ठिकाने! आईपीएल मुकाबलों का करेगा प्रसारण मुस्तफिजुर विवाद के बाद लगाया था बैन

ढाका। जब बांग्लादेश के नवनियुक्त सूचना और प्रसारण मंत्री से पूछा गया कि क्या स्टार स्पोर्ट्स आईपीएल का प्रसारण कर सकता है, तो स्वपन ने ऐसा होने के संकेत देते हुए कहा, 'हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स इसका प्रसारण करना चाहता है, तो वह कर सकता है।' आईपीएल 2026 की शुरूआत शनिवार से होने जा रही है, जिससे पहले बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में इस लीग के प्रसारण के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवनियुक्त सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सीजन के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। 'डॉयचे वेले' के मुताबिक, जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, 'आईपीएल प्रसारण के लिए किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। हम इसे एक व्यावसायिक नजरिए से देखेंगे। अगर कोई चैनल आईपीएल के प्रसारण के लिए आवेदन करता है, तो हम उस पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे।' इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने 'क्रिकबज' को बताया था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर बैन लगाए जाने के बाद इसके संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे। जब स्वपन से पूछा गया कि क्या स्टार स्पोर्ट्स आईपीएल का प्रसारण कर सकता है, तो स्वपन ने ऐसा होने के संकेत देते हुए कहा, 'हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स इसका प्रसारण करना चाहता है, तो वह कर सकता है। अगर हमारे चैनलों में से कोई इसका प्रसारण करना चाहता है, तो हम इसे सकारात्मक रूप से लेंगे, लेकिन हम किसी पर कोई जोर-जबरदस्ती नहीं करेंगे।' बांग्लादेश के केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन के कार्यालय सचिव, रेजाउल करीम लबलू का कहना है कि वे स्टार स्पोर्ट्स को आईपीएल का प्रसारण करने से नहीं रोकेंगे, क्योंकि इस संबंध में सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में यूपी विकास और विश्वास की नई पहचान बनकर उभरा: पंकज चौधरी

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज विकास, विश्वास और वैश्विक संभावनाओं की नई पहचान बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 11,200 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन किया। भाजपा मुख्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, चौधरी ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन केवल एक आधारभूत परियोजना का लोकार्पण नहीं बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के भविष्य, प्रदेश की अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊंचाई देने वाला ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा, यह हवाई अड्डा प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच, मजबूत नेतृत्व और उत्तर प्रदेश को देश के सबसे विकसित राज्यों में स्थापित करने की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित पूरे प्रदेश के लिए उद्योग, व्यापार, पर्यटन, निर्यात, लॉजिस्टिक्स, निवेश और रोजगार के नए द्वार खोलेगा।

ट्विंकल खन्ना

ने एनआईएफ ग्लोबल मुंबई में छात्रों को दिया रियल वर्ल्ड डिजाइन का मंत्र

प्रख्यात लेखिका, उद्यमी और इंटीरियर डिजाइन की समझ रखने वाली ट्विंकल खन्ना ने मुंबई के अंधेरी स्थित एनआईएफ ग्लोबल प्लेटिनम सेंटर में आयोजित एक विशेष सत्र में युवा डिजाइनर्स से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने क्रिएटिविटी, प्रामाणिकता और डिजाइन पर अपने बेबाक और व्यावहारिक विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान ट्विंकल खन्ना ने कैंपस का दौरा किया और छात्रों द्वारा तैयार फैशन, इंटीरियर्स और स्पैटियल स्टोरीटेलिंग से जुड़े प्रोजेक्ट्स को करीब से देखा। उन्होंने छात्रों के काम की सराहना करते हुए उन्हें अपने विचारों को और निखारने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर आयोजित द डिजाइन बैंटर शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जहां छात्रों ने खुलकर डिजाइन, ट्रेंड्स और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति पर चर्चा की। छात्रों को संबोधित करते हुए ट्विंकल खन्ना ने कहा कि डिजाइन में रचनात्मकता के साथ उपयोगिता का संतुलन बेहद जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कला में नियम तोड़े जा सकते हैं, लेकिन डिजाइन, खासकर इंटीरियर डिजाइन, हमेशा उपयोगी होना चाहिए क्योंकि यह सीधे लोगों की जीवनशैली से जुड़ा होता है। उन्होंने आधुनिक दौर के डिजाइन ट्रेंड्स पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि केवल सोशल मीडिया के लिए डिजाइन बनाना गलत दिशा है। उन्होंने कहा कि बिना आराम के लग्जरी का कोई अर्थ नहीं है और अच्छा डिजाइन वही है जो उपयोगकर्ता की जरूरतों को पूरा करे। छात्रों के साथ संवाद के दौरान उन्होंने प्रोफेशनल एथिक्स पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में निर्णय योग्यता के आधार पर होने चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर। स्पष्टता और ईमानदारी ही एक अच्छे डिजाइनर की पहचान होती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए ट्विंकल खन्ना ने कहा कि एआई केवल एक उपकरण है, लेकिन रचनात्मकता हमेशा इंसानी सोच से ही आती है। उन्होंने कहा कि मशीनों में आत्मा नहीं होती, इसलिए डिजाइन में मौलिकता और सच्चाई बनाए रखना बेहद जरूरी है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक विवेक गौतम ने कहा कि ट्विंकल खन्ना का यह दौरा छात्रों के लिए बेहद प्रेरणादायक रहा।

'सूरज डूबा है' गाने ने कमाए 100 करोड़, कंपोजर को मिले सिर्फ इतने लाख

अमाल मलिक ने किया खुलासा

अमाल मलिक ने हाल ही में म्यूजिक रॉयल्टी सिस्टम के बारे में खुल कर बात की है। उन्होंने समझाया है कि किसी भी गाने के 'मास्टर राइट्स' लेबल के पास ही रहते हैं, जबकि सिंगर, कंपोजर और गीतकार को 'पब्लिशिंग राइट्स' का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा ही मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि 'सूरज डूबा है' गाना कंपोज करने के लिए उन्हें कुछ ही पैसे मिले थे, जबकि इस गाने ने पिछले कुछ वर्षों में रॉयल्टी के तौर खूब पैसा कमाया

है। गाने के लिए जरूरी हैं ये लोग जूम से बातचीत में अमाल ने कहा, 'एक्टर्स को लगता है कि अगर वे किसी गाने में नजर आ रहे हैं, तो वह गाना हिट हो जाएगा। यह बात सिर्फ 50 प्रतिशत ही सच है। बाकी 50 प्रतिशत क्रेडिट गीतकार, म्यूजिक कंपोजर, डायरेक्टर और आखिर में सिंगर को जाता है। सिंगर्स जरूरी हैं, लेकिन वे गाने के असली रचयिता नहीं होते। ये चारों स्तंभ गीतकार, कंपोजर, डायरेक्टर और सिंगर, सभी को गाने के अधिकारों की जरूरत होती है। म्यूजिक प्रोड्यूसर के पास अपने गानों के अधिकार नहीं होते, लेकिन पश्चिमी देशों में इस श्रेणी के लोगों के पास भी गाने के अधिकार होते हैं।' कितने में बना सूरज डूबा है गाना बता दें कि 'सूरज डूबा है' गाना रणबीर कपूर की 2015 की फिल्म 'रॉय' का है। अपने गाने का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, 'सूरज डूबा है' गाना 8-10 लाख रुपये में बनकर तैयार हो गया था। अब तक, इसने 100 करोड़ रुपये कमा लिए होंगे। तो, जो गाना सिर्फ 10 लाख रुपये में बना था, उसने 100 करोड़ रुपये कमा लिए हैं, और हमें बदले में सिर्फ 15-20 लाख रुपये ही दिए गए। इस रकम में सब कुछ शामिल है, इंजीनियर की फीस, रिकॉर्डिंग की जगह का किराया, खाना-पीना सब कुछ लेकिन इसमें रॉयल्टी शामिल नहीं है।' लेबल के पास होता है 95 प्रतिशत अमाल ने आगे बताया 'भारत में सिंगर्स के पास सिर्फ 'पब्लिशिंग राइट्स' होते हैं। यहां एक बड़ा फर्क है। गाने का 95% हिस्सा 'लेबल' के पास चला जाता है। अब, वह गाना मेरा नहीं रहा। लेबल उसके साथ कुछ भी कर सकता है। अगर वे चाहें तो उसे 'रीमिक्स' भी कर सकते हैं।

राम चरण के बर्थडे पर पिता चिरंजीवी ने उड़ेला प्यार

बचपन की तस्वीरें शेयर कर लिखा-आप मुझे गर्व महसूस कराते हैं

साउथ सुपरस्टार राम चरण का बर्थडे है। 27 मार्च को एक्टर अपना 41वां बर्थडे मना रहे हैं। इस खास मौके एक्टर को फैंस से लेकर सेलेब्स और करीबियों की खूब शुभकामनाएं मिल रही हैं। वहीं, हाल ही में, राम चरण के पिता और मेगास्टार चिरंजीवी ने भी खास अंदाज में उन्हें जन्मदिन की बधाी दी है। बेटे के लिए किया चिरंजीवी का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर फैंस का

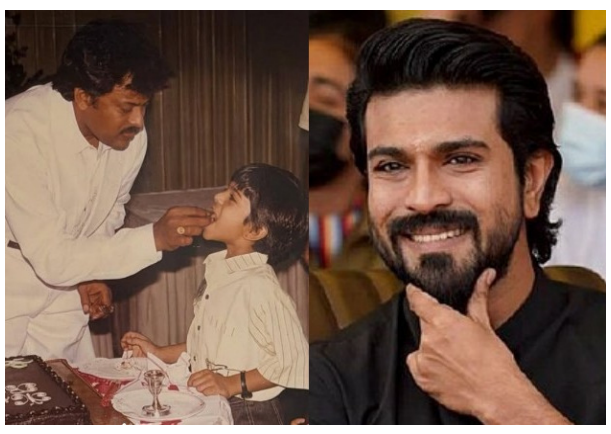

खूब ध्यान खींच रहा है। चिरंजीवी ने अपने बेटे के जन्मदिन पर उसके बचपन की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वो उन पर खूब प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। इन फोटोज को शेयर कर एक्टर ने कैप्शन में लिखा- चरण बाबू बचपन में मेरा हाथ थामने से लेकर आज कई लोगों के लिए प्रेरणा बनने तक आप मुझे सचमुच गर्व महसूस कराते हैं। जिस तरह आप सिनेमा और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाते हैं, परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारी की भावना, ईश्वर में आपका विश्वास, अनुशासन और आपके मूल्य जब भी मैं ये सब देखता हूँ, आपके लिए मेरा प्यार और सम्मान और भी गहरा होता जाता है। आगे उन्होंने कहा- ईश्वर का आशीर्वाद और फैंस का प्यार हमेशा आपको नई ऊँचाइयों की ओर ले जाए। जन्मदिन की शुभकामनाएँ, प्यारे राम चरण. बेटे के बर्थडे पर चिरंजीवी द्वारा शेयर की गई तस्वीरों और उनके पोस्ट को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें, राम चरण जल्द ही फिल्म पेड्डी में नजर आएंगे। हाल ही में उनके बर्थडे के अवसर पर फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। वहीं, अब यह फिल्म 30 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रेस्ट कैंसर का पता चलते ही फूट-फूटकर रोने लगी थीं राजश्री देशपांडे

मुश्किल दिनों को याद कर बोलीं-मैं मजबूत नहीं रह सकी

सेक्रेड गेम्स सीरीज फेम एक्ट्रेस राजश्री देशपांडे ने पिछले दिनों अपने ब्रेस्ट कैंसर से जूझने का खुलासा कर सबको हैरान कर दिया था। उन्होंने बताया था कि उन्हें ग्रेड 1 ब्रेस्ट कैंसर का पता चलने के बाद सर्जरी करानी पड़ी थी। वहीं, अब हाल ही में राजश्री ने अपने ब्रेस्ट कैंसर के निदान और इस सफर के बारे में एक नोट शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे वह बीमारी का पता चलने के बाद अस्पताल में अकेले फूट-फूटकर रोने लगी थीं। 27 मार्च को राजश्री देशपांडे ने अस्पताल से कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनके मुश्किल सफर की झलक देखने को मिल रही है। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने लंबा नोट शेयर करते हुए लिखा-जब मुझे पहली बार अपने स्तन कैंसर के बारे में पता चला, तो मुझे आज भी याद है कि अस्पताल में हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्ट सेंटर के बाहर मैं अकेले ही फूट-फूट कर रो पड़ी थी। मैं मजबूत नहीं रह सकी। मुझमें बिल्कुल भी हिम्मत नहीं थी। आज तक, जब लोग मुझसे पूछते हैं कि तुम्हें ये कैसे हुआ... तुम तो इतनी फिट हो, वगैरह-वगैरह... तो सच कहूं तो मेरे पास कोई जवाब नहीं होता। उन्होंने लिखा-दर्द सिर्फ

शारीरिक ही नहीं था, बल्कि मानसिक और भावनात्मक दर्द असहनीय था। मैं कई बार टूट गई, कभी अकेले तो कभी अपने दोस्तों के साथ, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया। लेकिन कई दिन ऐसे भी थे जब मैं उठी और मैंने हार न मानने का पक्का इरादा किया। कई बार मेरा मन नहीं करता कि मेरे पास दुनिया की सारी ताकत हो। मैं बस शांत रहना चाहती हूं, जैसे मैरी ओलिवर की कविता में चिड़ियों का जिक्र है, जो मेरी खिड़की पर लगे बोगनविलिया के फूल पर बैठकर मेरे साथ सूर्योदय देखती हैं। राजश्री ने और लिखा- क्या मुस्कुराते हुए उठना कोई उपलब्धि है? आज तो मैंने कह दिया। मैंने अपने लिए एक मुस्कान और एक प्यार भरा आलिंगन पाया और उन सभी लोगों के बारे में सोचा जो इस सफर में मेरे साथ हैं, जिन्होंने मुझे फोन किया, मैसेज किया और इतना प्यार दिया। मुझे पता है कि कल के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन आज का दिन प्यार से भरा हो। बस। राजश्री देशपांडे का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब पढ़ा जा रहा है और फैंस से लेकर सेलेब्स तक कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। काम की बात करें तो राजश्री देशपांडे 2015 में फिल्म एंग्री इंडियन गॉडेसेस में नजर आई थीं। वहीं, साल 2023 में उन्होंने सीरीज ट्रायल बाय फायर के लिए बेस्ट एक्ट्रेस इन ड्रामा सीरीज का फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड जीता था।

'अब भी उस प्यार में डूबी हूं; कृतिका ने शेयर कीं गौरव कपूर संग हनीमून की फोटोज

अभिनेत्री कृतिका कामरा ने इस महीने गौरव कपूर के साथ शादी रचाई। शादी और हनीमून के बाद कपल ने काम पर वापसी कर ली है। इस बीच कृतिका ने अपनी शादी के बाद वेकेशंस की फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं। एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने 11 मार्च 2026 को एक्टर, वीजे और भारतीय क्रिकेट प्रस्तोता गौरव कपूर के साथ शादी की। फिर, दोनों साथ में छुट्टियां मनाने गए और

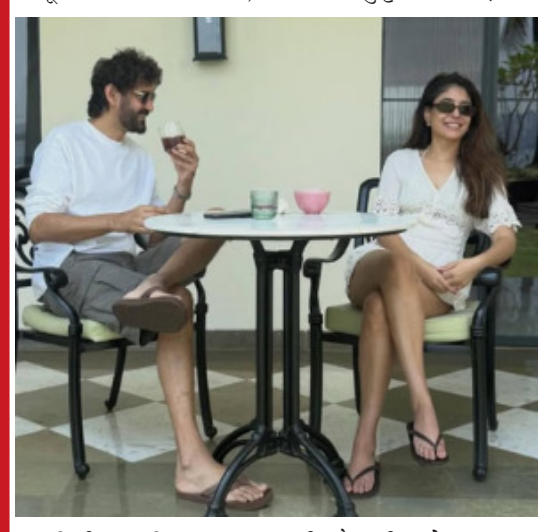

क्वालिटी टाइम बिताया। कपल शादी और हनीमून के बाद अब अपने वर्क फ्रंट पर एक्टिव हैं। हाल ही में कृतिका ने अपने हनीमून की कुछ फोटोज साझा की हैं। कृतिका ने लिखा- 'अब भी प्यार में डूबी हूं' कृतिका कामरा ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'जमकर पार्टी की और रिकवर होने में थोड़ा समय लगा। मार्च का महीना काम, शादी, फिर धूप सेंकने, स्विमिंग करने, खाने-पीने और यही सब दोहराते रहने में बीता। अब काम पर वापस आ गई हूं, लेकिन अब भी उस प्यार में डूबी हुई हूं। पूल किनारे बिताए सुकून भरे पल साझी की गई फोटोज में कृतिका और गौरव पूल किनारे क्वालिटी टाइम बिताते दिख रहे हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के बीच दोनों सुकून के पल बिता रहे हैं। बता दें कि कपल ने 11 मार्च को रजिस्टर्ड मैरिज की थी। इसके अगले दिन 12 मार्च को रिसेप्शन पार्टी आयोजित की। शादी से लेकर रिसेप्शन तक, सभी फंक्शन सादगी के साथ पूरे किए। यूजर्स ने दीं शुभकामनाएं इनकी फोटोज पर नेटिजंस के रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आपके पोस्ट मुझे बहुत पसंदी हैं, क्योंकि मुझे आप और गौरव कपूर बहुत पसंद हो'। एक यूजर ने लिखा, 'आप दोनों इस तस्वीर में जितने खुश दिख रहे हो, भोलेनाथ हमेशा इतना ही खुश रखें'। कुछ यूजर्स मजाकिया कमेंट्स भी कर रहे हैं। एक ने लिखा है, 'गौरव भाई वापस आ जाओ, आईपीएल शुरू हो गया है'।

एकता कपूर ने व्हील ऑफ फॉर्च्यून की अपनी विनिंग अमाउंट राजपाल यादव को मदद के तौर पर दी

भूत बंगला वाकई उन फिल्मों में से एक है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। फिल्म को लेकर बढ़ते क्रेज के बीच, हाल ही में इसकी टीम अक्षय कुमार द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून में पहुँची। जब टीम गेम खेल रही थी, तब एकता कपूर ने सपोर्ट के तौर पर जीतने वाली रकम राजपाल यादव को देने का फैसला किया। घ्जी हाँ, जब एकता कपूर, वामिका गब्बी और राजपाल यादव सहित भूत बंगला की टीम व्हील ऑफ फॉर्च्यून पर आई, तो वह पल वाकई यादगार बन गया। गेम के दौरान, एकता ने मदद के रूप में जीतने वाली राशि राजपाल यादव को ऑफर की। उनकी तरफ से यह सच में एक बहुत ही नेक पहल थी। भूत बंगला अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के उस पुनर्मिलन का गवाह है जिसका सबको बेसब्री से इंतजार था। इस जोड़ी ने पहले भी कई ऐसी आइकॉनिक कॉमेडी फिल्में दी हैं जो आज भी फैंस की फेवरेट हैं, इसलिए इनका साथ आना दर्शकों के लिए बहुत एक्साइटिंग है। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और मजेदार कहानियों के लिए मशहूर यह जोड़ी एक बार फिर साथ आकर एक और यादगार एंटरटेनर देने की तैयारी में है, जिससे लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के डिवीजन, बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर भूत बंगला को पेश किया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, जीशु सेनगुप्ता और मिथिला पालकर जैसे कलाकार नजर आएंगे। इसका डायरेक्शन प्रियदर्शन ने किया है और इसे अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओलावृष्टि और अतिवृष्टि किसानों को राहत राशि वितरित

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बीते दिनों खराब मौसम, आंधी और बारिश के चलते किसानों की फसलों को नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को फील्ड में उतरकर राहत कार्यों को तेज करने और लगातार निगरानी बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए हैं।प्रदेश सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। ओलावृष्टि के कारण प्रदेश के 21 जनपदों में 244.23 हेक्टेयर फसल क्षतिग्रस्त हुई है। इस आपदा से प्रभावित 286 किसानों को अब तक 13,34,217 की राहत राशि वितरित की जा चुकी है। अतिवृष्टि के चलते स्थिति अधिक गंभीर रही। प्रदेश के 17 जनपदों में 4053.11 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नुकसान पहुंचा है। इस दौरान कुल 14,207 किसान प्रभावित हुए, जिनमें से 9,992 किसानों को 4,47,24,779 की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। बीते दिनों 15 मार्च से 22 मार्च तक बेमौसम भारी वर्षा से सहारनपुर के 5 गांवों में 11 हेक्टेयर फसल क्षति दर्ज की गई, जिसमें 44 किसान प्रभावित हुए हैं। ललितपुर की 3 तहसीलों में 1650.75 हेक्टेयर क्षेत्र में फसल क्षति दर्ज की गई है, जिसमें कुल 3142 किसान प्रभावित हुए हैं।राज्य सरकार द्वारा फसल क्षति का आकलन तेजी से कराया जा रहा है और पात्र किसानों को राहत पहुंचाने की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शेष प्रभावित किसानों को भी शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति संभाल सकें और आगामी फसल की तैयारी कर सकें।

ईरान बोला- इस मार्ग से आवाजाही पर कड़ी कार्रवाई

ट्रंप के इस दावें को गलत भी बताया

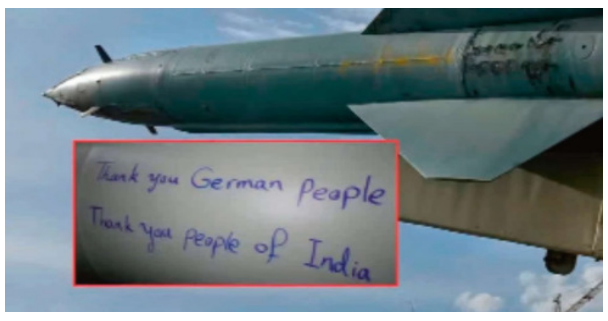

ईरान (एजेंसी)। ईरान की आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह बंद कर दिया गया है और किसी भी तरह की आवाजाही पर कड़ी कार्रवाई होगी। यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रं के दावों के जवाब में आई है। आईआरजीसी ने कहा कि इस्राइल, अमेरिका और उनके सहयोगियों के जहाजों का किसी भी गलियारे या गंतव्य तक आवागमन प्रतिबंधित है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) की नौसेना ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया है। इस जलमार्ग से किसी भी तरह की आवाजाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आईआरजीसी नौसेना ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन दावों को खारिज करते हुए यह चेतावनी दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह जलमार्ग आवागमन के लिए खुला है। ईरान की सरकारी समाचार चैनल प्रेस टीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी नौसेना ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और अभी भी नाकाबंदी के अधीन है। इससे किसी भी तरह की आवाजाही का कड़ा जवाब दिया जाएगा। नौसेना ने यह भी कहा कि शत्रु देशों इस्राइल, अमेरिका और उनके सहयोगियों व समर्थक देशों के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों का किसी भी गलियारे या किसी भी गंतव्य तक आवागमन प्रतिबंधित है। इस्राइल पर दागी मिसाइलों पर ईरान ने लिखा-थैंक यू इंडिया ईरान ने इस्राइल-अमेरिका के ठिकानों पर शुक्रवार को दागी गई मिसाइलों पर एक बेहद खास संदेश लिखा। ईरान ने लिखा 'ळ्ंल्ल' ङ्म४ ३ङ्क स्त्रीङ्क्स्त्र'ी ङ्क क्ल्ल्र्. ईरान ने भारतीयों के प्रति यह आभार भारत के लोगों द्वारा दिखाए गए मानवीय समर्थन के कारण जताया है। युद्ध प्रभावित ईरानियों की मदद के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों ने विशेष एकजुटता दिखाई है। ईरान पर हमलों की नई लहर शुरू की युद्ध समाप्त करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों के बीच पश्चिम एशिया में खून खराबा भी जारी है। इस्राइल ने शुक्रवार को ईरान पर हमलों की एक नई लहर शुरू की। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि ईरान पर हमले बढ़ेंगे और व्यापक होंगे। इस्राइली सेना ने कहा कि तेहरान में ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों और अन्य हथियारों के उत्पादन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने यह भी बताया कि उसने पश्चिमी ईरान में स्थित मिसाइल लॉन्चरों और भंडारण स्थलों को भी निशाना बनाया। आईआरजीसी ने विभिन्न देशों के ध्वज वाले तीन मालवाहक जहाजों को वापस भेजा ईरान के प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी नौसेना की चेतावनी के बाद विभिन्न देशों के ध्वज वाले तीन मालवाहक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से वापस खाड़ी क्षेत्र में भेज दिया गया।

कच्चा तेल ही नहीं एलएनजी आयात पर भी बनी सहमति, होर्मुज पर भी मिलेगा साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका संघर्ष से उत्पन्न ऊर्जा संकट में भारत रूस का सहयोगी बनेगा। अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील मिलने के बाद

भारत रूस से कच्चा तेल और एलएनजी आयात बढ़ा रहा है। योजना है कि देश की ऊर्जा जरूरत का लगभग 40% हिस्सा रूस से पूरा होगा और व्यापार रुपया-रूबल में होगा। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण उत्पन्न ऊर्जा संकट में रूस एक बार फिर भारत का संकट मोचक बनेगा। अमेरिकी प्रतिबंध में मिली ढील का लाभ उठाते हुए भारत न सिर्फ रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाएगा, बल्कि दोनों देशों के बीच एलएनजी आपूर्ति पर भी सहमति बन गई है। भारत की योजना अपनी ऊर्जा जरूरत का 40 फीसदी हिस्सा रूस से आयात करने की है। खास बात यह है कि द्विपक्षीय व्यापार रुपया-रूबल के माध्यम से होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बूस्टर डोज मिलेगा। दरअसल पश्चिम एशिया की विकट परिस्थिति के कारण अमेरिका ने रूस और ईरान से तेल-गैस आयात पर छूट दी है। भारत ने इस छूट का दोतरफा लाभ उठाने की योजना बनाई है। एक तरफ उसने रूस से कच्चे तेल के साथ एलएनजी के आयात की ओर कदम बढ़ाया है तो दूसरी ओर भारत ईरान से भी कच्चे तेल और गैस के आयात की दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाने का फैसला किया है। कूटनीतिक लाभ भी सरकार के वरिष्ठ मंत्री ने रूस से तेल-गैस आयात पर बनी सहमति की जानकारी देते हुए बताया कि रूस पश्चिम एशिया संकट में कई मोर्चे पर भारत का मददगार साबित हो सकता है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत को रूस के ईरान के करीबी होने का लाभ मिलेगा। खासतौर से होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही में बाधा को टालने में रूस की मदद मिलेगी। दूसरा रूस से व्यापार का रास्ता होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं है। उक्त मंत्री के मुताबिक युक्रेन युद्ध से अब तक भारत ने रूस से 44 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया है। अब हम 40 फीसदी ऊर्जा जरूरतें रूस से पूरा करना चाहते हैं।

पहाड़ पर बर्फबारी, मैदान में बारिश

पूर्वोत्तर में तेज हवा के साथ पड़ेंगे ओले

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग की ताजा बुलेटिन के अनुसार जम्मू और आसपास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बारिश हो रही है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर जारी है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में भी मौसम तेजी से बदलने के संकेत हैं। देशभर में मौसम ने करवट ले ली है। जम्मू क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी जारी है, जबकि मैदानी राज्यों में आंधी, तेज हवाएं और बारिश का दौर शुरू हो गया है। वहीं पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में भारी बारिश, ओलावृष्टि और 70 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है। 28 से 30 मार्च

के बीच देश के कई हिस्सों में मौसम अस्थिर रहने और तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग की ताजा बुलेटिन के अनुसार जम्मू और आसपास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बारिश हो रही है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर जारी है। 28 और 29 मार्च को इन इलाकों में 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात की आशंका जताई गई है। इस मौसमी गतिविधि के चलते तापमान में गिरावट आई है और ठंड का असर बढ़ गया है। यात्रा करने वालों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि सड़कों पर फिसलन बढ़ सकती है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के कई हिस्सों में 28 और 29 मार्च को हल्की से मध्यम बारिश, तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ मौसम बदलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 29 और 30 मार्च को कई क्षेत्रों में बारिश की तीव्रता बढ़ सकती है। इस दौरान 30 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जिससे धूल भरी आंधी और अचानक बारिश की स्थिति बन सकती है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में भी मौसम तेजी से बदलने के संकेत हैं। पूर्वोत्तर भारत में मौसम अत्यधिक सक्रिय बना हुआ है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 मार्च तक लगातार बारिश का अनुमान है। असम और मेघालय में भारी बारिश (64.5 से 115.5 मिमी) की चेतावनी के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में 50 से 70 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाएं चल सकती हैं और ओलावृष्टि की भी आशंका है, जिससे जलभराव और जनजीवन प्रभावित हो सकता है। पूर्वी भारत में ओलावृष्टि और बिजली गिरने का खतरा बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में 28 से 29 मार्च के बीच हल्की से मध्यम बारिश के साथ मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। विशेष रूप से बिहार और पश्चिम बंगाल में ओलावृष्टि और वज्रपात की आशंका जताई गई है। इससे फसलों को नुकसान और आम जनजीवन पर असर पड़ सकता है। दक्षिण भारत में हल्की मौसमी गतिविधियां आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में 28 से 30 मार्च के बीच कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि यहां मौसम गंभीर नहीं है, लेकिन अचानक बदलाव दैनिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है। केरल और माहे में गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा, जिससे लोगों को अधिक गर्मी और चिपचिपाहट महसूस हो सकती है। वहीं, असम, मेघालय, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और झारखंड में ओलावृष्टि और तेज आंधी का खतरा बना हुआ है, जहां हवाओं की गति 50 से 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

जिनेवा में बलूचिस्तान मुद्दे की गूंज, मानवाधिकार उल्लंघन पर अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग

जिनेवा (एजेंसी)। बलूच नेशनल मूवमेंट ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सत्र के दौरान बलूचिस्तान के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाया। सम्मेलन में मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों को लेकर वैश्विक समुदाय से हस्तक्षेप और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की गई। बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने जिनेवा में अपनी 11वीं अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बलूचिस्तान के मानवाधिकार मुद्दे को वैश्विक मंच पर उठाया। यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र

मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न कार्यकताओं और वक्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में लंबे समय से मानवाधिकार उल्लंघन हो रहे हैं और इस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त जवाबदेही नहीं तय की गई है। उन्होंने वैश्विक समुदाय से अपील की कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाए। इतिहास और विरोध का संदर्भ कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि 27 मार्च को बलूच कार्यकर्ता उस दिन के रूप में याद करते हैं, जब 1948 में बलूचिस्तान के जबर्दस्ती कब्जे का दावा किया जाता है। उनका कहना है कि इसके बाद से क्षेत्र के लोगों को लगातार दमन का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर आरोप और पाकिस्तान का रुख सम्मेलन में वक्ताओं ने दावा किया कि सैकड़ों युवाओं, छात्रों और राजनीतिक कार्यकताओं को जबरन गायब किया गया, यातनाएं दी गईं और उनकी हत्या की गई। हालांकि, पाकिस्तान इन आरोपों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार खारिज करता रहा है।

खुफिया, तकनीक व हथियारों से ईरान की मदद कर रहा रूस, सहयोग की रणनीति से मास्को की अपने हितों पर पैनी नजर

ईरान (एजेंसी)। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के संघर्ष के बीच रूस की भूमिका चर्चा में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपने कहा कि रूस थोड़ी मदद कर रहा है, जबकि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इसे अहम बताया। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस ईरान को सैटेलाइट खुफिया जानकारी, ड्रोन तकनीक और हथियार देता है, लेकिन यह सीमित और रणनीतिक मदद है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच रूस की भूमिका को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मॉस्को थोड़ी बहुत मदद कर रहा है,

वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सैन्य सहयोग को अच्छा बताया है। विशेषज्ञों के अनुसार रूस अपने हितों पर पैनी नजर रखते हुए ईरान को सैटेलाइट खुफिया जानकारी, ड्रोन तकनीक और हथियारों के रूप में सहयोग दे रहा है, लेकिन यह मदद निर्णायक नहीं बल्कि सीमित और रणनीतिक संतुलन बनाए रखने वाली है। रिपोर्टों के अनुसार रूस ईरान को अमेरिकी युद्धपोतों और विमानों की लोकेशन से जुड़ी सैटेलाइट और इंटेलिजेंस जानकारी उपलब्ध करा रहा है। यह डेटा मुख्यतः रूस के लियाना सैटेलाइट सिस्टम से आता है, जिसे खास तौर पर अमेरिकी नौसेना के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स की निगरानी और टारगेटिंग के लिए विकसित किया गया है। क्या कर सकता है रूस? जेम्सटाउन फाउंडेशन के सीनियर फेलो पावेल लुजिन के मुताबिक रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के खय्याम सैटेलाइट से प्राप्त ऑप्टिकल इमेजिंग डेटा को प्रोसेस कर सकता है ।

राजकोषीय घाटा पूरा करने के लिए केंद्र का बड़ा कदम, बाजार से 8.2 लाख करोड़ उधार लेने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि में राजस्व घाटा पूरा करने के लिए 8.2 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना बना रही है। इसमें 15,000 करोड़ रुपये के संप्रभु ग्रीन बॉन्ड शामिल हैं। पहले से 17.2 लाख करोड़ रुपये सकल बाजार उधार प्रस्तावित था, जो अदला-बदली के बाद 16.09 लाख करोड़ रुपये रह गया। वित्त मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान प्रतिभूतियों के माध्यम से 8 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। वित्तीय घाटे को पूरा करने के लिए वित्त वर्ष 2026-27

की पहली छमाही में सकल बाजार उधार 17.20 लाख करोड़ रुपये था। बजट पेश होने के बाद से राजकोषीय प्रतिभूतियों की अदला-बदली की गई, जिससे सकल बाजार उधार घटकर 16.09 लाख करोड़ रुपये रह गया। मंत्रालय ने कहा, 16.09 लाख करोड़ रुपये में से, 8.20 लाख करोड़ रुपये (51 प्रतिशत) पहली छमाही में दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधार लेने की योजना है, जिसमें 15,000 करोड़ रुपये के संप्रभु ग्रीन बॉन्ड शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत अनुमानित राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए 17.2 लाख करोड़ रुपये उधार लेने का प्रस्ताव रखा था। पूर्ण रूप से, 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा 16.9 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। बयान के अनुसार, 8.2 लाख करोड़ रुपये का सकल बाजार उधार 26 साप्ताहिक नीलामियों के माध्यम से पूरा किया जाएगा। संस्थागत और खुदरा निवेशकों को अपने निवेश की कुशलतापूर्वक योजना बनाने में सक्षम बनाने और सरकारी प्रतिभूति बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता प्रदान करने के लिए, सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से इस अवधि के दौरान प्रति सप्ताह 28,000 करोड़ रुपये से 34,000 करोड़ रुपये तक का उधार लेने की योजना बनाई है। पांच फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित सरकार ने कहा कि इस कैलेंडर में शामिल सभी नीलामियों में गैर-प्रतिस्पर्धी बोली की सुविधा होगी, जिसके तहत अधिसूचित राशि का पांच प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित होगा। सरकार पहले की तरह अधिसूचित राशि, निर्गमन अवधि, परिपक्वता अवधि आदि के संदर्भ में उपरोक्त कैलेंडर में संशोधन करती रहेगी। बाजार की बदलती स्थितियों और अन्य प्रासंगिक कारकों के आधार पर, गैर-मानक परिपक्वता वाले उपकरण, फ्लोटिंग रेट बॉन्ड, मुद्रास्फीति वाले बॉन्ड सहित विभिन्न प्रकार के उपकरण जारी करने के लिए लचीलापन बनाए रखेगी। राज्यों के कर्ज लेने की लागत बढ़कर चार साल में सबसे ज्यादा भारत में राज्यों के लिए कर्ज लेना तेजी से महंगा होता जा रहा है और शुक्रवार को हुई नीलामी में इसकी साफ झलक देखने को मिली। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, कई राज्यों की बॉन्ड यील्ड 8 फीसदी के ऊपर पहुंच गई।

रूस ने 1 अप्रैल से पेट्रोल निर्यात पर लगाई रोक, घरेलू कीमतें काबू में रखने की कोशिश

मॉस्को (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक बाजार पर पड़ा है, जिससे कच्चे तेल और गैस की कीमतें बढ़ी हैं। इसी बीच रूस ने 1 अप्रैल से पेट्रोल के निर्यात पर रोक लगा दी है। रूस का यह फैसला वैश्विक तेल बाजार पर असर डाल सकता है, लेकिन भारत के लिए फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। रूस ने एक बड़ा

फैसला लेते हुए 1 अप्रैल 2026 से पेट्रोल के निर्यात पर रोक लगाने की घोषणा की है। इस फैसले का मुख्य मकसद अपने देश के अंदर पेट्रोल की पर्याप्त सप्लाई बनाए रखना और कीमतों को बढ़ने से रोकना है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव की वजह से दुनियाभर में तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। उप प्रधानमंत्री ने पेट्रोलियम बाजार की स्थिति की समीक्षा की रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक की अध्यक्षता में हुई एक अहम बैठक में देश के पेट्रोलियम बाजार की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में यह बात सामने आई कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भले ही कीमतों में अस्थिरता हो, लेकिन रूस के पास पर्याप्त भंडार और उत्पादन क्षमता मौजूद है। इसके बावजूद सरकार ने एहतियात के तौर पर निर्यात रोकने का फैसला किया ताकि घरेलू बाजार में किसी तरह की कमी या महंगाई न हो। देश में ईंधन की कीमतें नहीं बढ़नी चाहिए- पुतिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी साफ निर्देश दिए हैं कि देश में ईंधन की कीमतें तय अनुमान से ज्यादा नहीं बढ़नी चाहिए। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि तेल रिफाइनिंग का स्तर स्थिर है और कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है

वॉशिंगटन में उड़ानों पर लगा ब्रेक

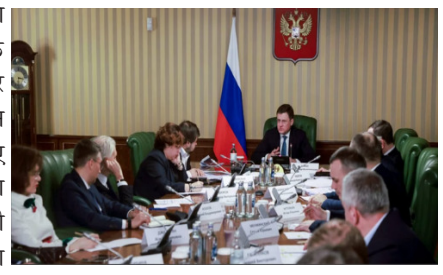

एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध से ठप हुआ आसमान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वॉशिंगटन और आसपास के कई एयरपोर्ट्स पर एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध के कारण उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी गईं। पोटोमैक ट्रैकन सेंटर से ट्रैफिक कंट्रोल होता है, जहां गंध महसूस की गई। जांच के बाद धीरे-धीरे सेवाएं बहाल हो रही हैं। यह इस महीने दूसरी ऐसी घटना है। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन और आसपास के इलाकों में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध आने के कारण कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों को रोकना पड़ा। अचानक लिए गए इस

फैसले से यात्रियों को भारी परेशानी हुई और पूरे इलाके में हवाई सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गईं। यह घटना सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल भी खड़े कर रही है। जानकारी के मुताबिक, संघीय अधिकारियों ने बताया कि पोटोमैक ट्रैकन सेंटर में तेज रसायनिक दुर्गंध महसूस की गई, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए। जिन एयरपोर्ट्स पर असर पड़ा, उनमें रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शार्लोट्सविल-अलबेमार्ले एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। यह सेंटर इन सभी क्षेत्रों की हवाई यातायात व्यवस्था संभालता है। क्यों यहां से कंट्रोल होता है ट्रैफिक? पोटोमैक ट्रैकन एक टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल सुविधा है, जो वॉशिंगटन और आसपास के कई बड़े एयरपोर्ट्स की उड़ानों को कंट्रोल करती है। यहां से तय होता है कि कौन सी फ्लाइट कब लैंड करेगी और कब उड़ान भरेगी। ऐसे में यहां किसी भी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या का सीधा असर पूरे क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर पड़ता है। रसायनिक गंध की वजह क्या थी? फिलहाल इस गंध के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर तुरंत उड़ानों को रोक दिया। बाद में जांच और सुरक्षा जांच के बाद हालात सामान्य होने लगे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।